मैं अयोध्या से लड़ने को तैयार.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

मेरे अंदर का एक्टर बहुत... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 189 | गाजियाबाद / रविवार 11 अक्टूबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

प्रथम दिन

मां शैलपुत्री

मां शैलपुत्री को पर्वतराज हिमालय की पुत्री और मां दुर्गा का प्रथम स्वरूप माना जाता है। इनके दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल सुशोभित है। वे वृषभ पर सवार रहती हैं। इनकी पूजा से जीवन में स्थिरता, शक्ति, साहस और सकारात्मकता प्राप्त होने की मान्यता है।

अबकी हाथी पर सवार होकर आएंगी मां जगदंबा

शक्ति उपासना का पर्व शारदीय नवरात्रि आज से

नई दिल्ली (एजेंसी) कल रविवार 11 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि शुरू हो रही है। वैसे तो शास्त्रों में मां दुर्गा का वाहन सिंह बताया गया है, नवरात्रि के संबंध में मान्यता है कि इस उत्सव में देवी मां अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। इस साल देवी मां हाथी पर सवार होकर आएंगी। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा कहते हैं, देवी मां के वाहन के संबंध में देवी भागवत में बताया गया है।

देवी मां के अलग-अलग वाहनों का असर भी अलग-अलग होता है। देवी भागवत में लिखा है कि- शशिसूर्ये गजारूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे चदोलायां बुधे नौका प्रकीर्तितता। इस श्लोक का अर्थ यह है कि अगर सोमवार या रविवार को नवरात्रि की प्रथम पूजा यानी कलश स्थापना होती है, तो मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। शनिवार या मंगलवार को नवरात्रि शुरू होने पर माता का वाहन घोड़ा होता है। गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि शुरू हो, तो माता डोली में बैठकर आती हैं। जब बुधवार से नवरात्रि शुरू होती है, तब माता दुर्गा नाव पर सवार होकर आती हैं। माता दुर्गा जिस वाहन से पृथ्वी पर आती हैं, उसके अनुसार सालभर होने वाली घटनाओं का भी आंकलन किया जाता है। देवी भागवत में लिखा है कि- तत्तफलम गजे च जलदा देवी क्षत्र भंग स्तुरंगमे। नोकायां सर्वसिद्धि स्या ढोलायां मरणंधुवम।। इस श्लोक में देवी मां के वाहन के अनुसार अलग-अलग फल बताए गए हैं। देवी मां जब हाथी पर सवार होकर आती हैं, तब इसे बहुत शुभ माना जाता है। ऐसी स्थिति में सुख-समृद्धि बढ़ती है और पानी ज्यादा बरसता है। देवी घोड़े पर सवार होकर आती हैं, तो प्राकृतिक आपदा आने का भय रहता है,पड़ोसी देशों से युद्ध की आशंका बढ़ जाती है। देवी नाव पर सवार होकर आती हैं, तो सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मां शारदा देवी के भक्तों को रेलवे का तोहफा

मैहर स्टेशन पर पांच मिनट रुकेंगी 15 जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनें

प्रयागराज (एजेंसी)। मैहर स्थित मां शारदा देवी के दर्शन को उमड़ने वाले लाखों श्रद्धालुओं के सफर को सुगम बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने मैहर रेलवे स्टेशन पर 15 जोड़ी (कुल 30) महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों को 5 मिनट का अस्थायी ठहराव दिया है। यह विशेष व्यवस्था 11 से 22 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगी। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार और उत्तर प्रदेश से होकर गुजरने वाली प्रमुख लंबी दूरी की गाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है। इसमें गोदान एक्सप्रेस, एलटीटी-छपरा एक्सप्रेस, गंगा कावेरी एक्सप्रेस, वलसाड-मुजफ्फरपुर श्रमिक एक्सप्रेस, कोल्हापुर-धनबाद दीक्षाभूमि एक्सप्रेस, एलटीटी-रक्सौल अंत्योदय एक्सप्रेस, दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस, पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस, पूर्णा-पटना एक्सप्रेस, एलटीटी-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, एलटीटी-रांची एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस-पटना हमसफर एक्सप्रेस, पुणे-बनारस ज्ञानगंगा एक्सप्रेस, एलटीटी-गुवाहाटी एक्सप्रेस, सूरत-छपरा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस अप और डाउन दोनों दिशा में रुकेंगी। यानी श्रद्धालुओं को मैहर से सीधे बोर्डिंग की सुविधा मिलेगी।

फ्लाईदुबई कॉकपिट अटैक की जांच करेगी एनआईए

एंटी हाइजैकिंग एक्ट में एफआईआर दर्ज की, जल्द जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी ने फ्लाईदुबई फ्लाइट में पायलट पर हुए हमले को लेकर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर एंटी-हाइजैकिंग एक्ट, 2016 की धारा 3 और बीएनएस की धाराओं के तहत दर्ज हुई है। इन धाराओं के जरिए संभावित लोन-वुल्फ आतंकी मंशा, साजिश और कट्टरपंथी नेटवर्क की जांच होगी। एनआईए हमले के पीछे बड़ी साजिश की जांच करेगी। इस फ्लाइट के दौरान भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला हुआ था। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में ओमानी पायलट ने कैप्टन पर अटैक किया और विमान को गिराने की कोशिश की। जांच में यह भी देखा जाएगा

कि क्या हमले का संबंध भारत पर संभावित हमले से था। एजेंसी यह भी पता लगाएगी कि पूरी साजिश कैसे तैयार की गई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक एनआईए विमान को हाईजैक करने की कोशिश के पीछे की बड़ी साजिश की जांच करना चाहती है।

दुबई में इलाज करवा रहे हैं कैप्टन स्मित- भारतीय पायलट स्मित मच्छर फिलहाल दुबई में हैं। बुधवार को फ्लाईदुबई की दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान में उनके सह-पायलट ने कॉकपिट के अंदर उन पर चाकू से हमला किया। गंभीर चोटों के बावजूद स्मित मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने हस्तक्षेप किया। इससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

रुपए की गिरावट रोकने के लिए ऐक्टिव हुआ आरबीआई

सरकारी तेल कंपनियों के लिए खोली स्पेशल डॉलर विंडो खोली

मुंबई (एजेंसी)। डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर होते भारतीय रुपए को संभालने और मनी मार्केट में उतार-चढ़ाव पर लगाम लगाने के लिए आरबीआई ने दो फैसले किए हैं। आरबीआई ने सरकारी तेल कंपनियों की डॉलर की डेली जरूरतों को पूरा करने के लिए एक स्पेशल डॉलर विंडो शुरू की है। इसके अलावा रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फॉरेक्स डेरिवेटिव ट्रेडिंग से जुड़े नियमों में भी सख्ती कर दी है। बाजार

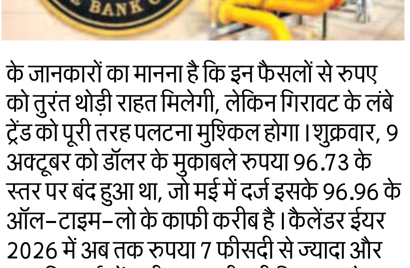

के जानकारों का मानना है कि इन फैसलों से रुपए को तुरंत थोड़ी राहत मिलेगी, लेकिन गिरावट के लंबे ट्रेंड को पूरी तरह पलटना मुश्किल होगा। शुक्रवार, 9 अक्टूबर को डॉलर के मुकाबले रुपया 96.73 के स्तर पर बंद हुआ था, जो मई में दर्ज इसके 96.96 के ऑल-टाइम-लो के काफी करीब है। कैलेंडर ईयर 2026 में अब तक रुपया 7 फीसदी से ज्यादा और चालू वित्त वर्ष में करीब 3.5 फीसदी गिर चुका है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और विदेशी निवेश के सुस्त होने से रुपए पर लगातार दबाव बनाया हुआ है। आरबीआई रुपए को 97 के स्तर से ऊपर जाने से रोकना चाहता है।

18 की जगह 3 घंटे में सिलीगुड़ी पहुंचेगी भारतीय सेना

डोकलाम विवाद के बाद 4 सुरक्षा-इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शुरू, 2029 में होंगे पूरे

गुवाहाटी (एजेंसी)। अगले चार साल में सिलीगुड़ी कॉरिडोर को देश का सबसे सुरक्षित सैन्य रास्ता बनाने की तैयारी है। जून 2017 में हुए डोकलाम विवाद के बाद केंद्र सरकार ने चिकन नेक (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) और सिक्किम क्षेत्र में लगभग 4 बड़ी सुरक्षा-इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स शुरू की हैं। अभी कठिन पहाड़ी रास्तों और सिंगल-लेन नेटवर्क के कारण भारी तोपों (आर्टिलरी) व सैन्य दस्तों को सीमा तक पहुंचाने में 12 से 18 घंटे का समय लगता है। इन प्रोजेक्ट्स के 2029 तक पूरे होने पर यह समय घटकर मात्र 3 घंटे रह जाएगा। इससे भारतीय सेना चीन की किसी भी चुनौती का करारा जवाब दे सकेगी।

जमीन से 20 मीटर नीचे बनेगी 36 किलोमीटर लंबी रेल टनल

इन प्रोजेक्ट्स की खासियत जमीन से 20 मीटर नीचे बनने वाली 36 किलोमीटर लंबी रेल टनल है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के ड्राफ्ट के मुताबिक, यह टनल पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के तीन माइल हाट से सिलीगुड़ी के पास रांगापानी तक बनाई जाएगी। भारत, नेपाल और बांग्लादेश की सीमाओं के बेहद करीब बनने वाली इस टनल से ट्रेनें गुजरेंगी। इससे दुश्मन के हवाई और ड्रोन हमलों का असर नहीं होगा। युद्ध के दौरान तोपें और जरूरी सामान बिना किसी रुकावट के सेना की अग्रिम चौकियों तक पहुंचाया जा सकेगा।

पांच अंडरग्राउंड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए जा रहे

नॉर्थ सिक्किम में 19 हजार फीट ऊपर नाथू ला दर्रे के पास चीनी सेना मौजूद है। इसलिए अब सेना सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य किले जैसा बना रही है। ऑपरेशन फोट्रेस सिलीगुड़ी के तहत 534 करोड़ से बन रहे इस 7-लेयर डिफेंस चक्रव्यूह में जमीन में 20-24 मीटर नीचे 5 कमांड सेंटर, 6 संचार सेंटर, 12 एयर डिफेंस व गोला-बारूद स्टोरेज, 12 बम शेल्टर्स बनाए जा रहे हैं। तिब्बत सीमा पर चीन द्वारा बसाए जा रहे नए गांवों के जवाब में तैयार किया जा रहा यह भूमिगत इन्फ्रास्ट्रक्चर पूर्वोत्तर भारत को जोड़ने वाले संवेदनशील 'चिकन नेक' कॉरिडोर को किसी भी मिसाइल, ड्रोन या हवाई हमले से पूरी तरह सुरक्षित और अभेद्य बनाएगा।

राजधानी को बंधक बनाने की कोशिश हुई नाकाम

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट पर बोले संबित पात्रा राहुल गांधी को बताया नालायक नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और लेफ्ट के छात्र संगठनों की ओर से जंतर मंतर पर प्रदर्शन पर बीजेपी ने रिएक्ट किया है। बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि जंतर-मंतर पर जो हो रहा है, टीवी पर जो दिख रहा है और सोशल मीडिया के कुछ हैंडल पर जंतर-मंतर को दिखाया जा रहा है, वो भारत की कहानी नहीं है। संबित पात्रा ने कहा कि भारत शांत है, भारत सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है मगर दिल्ली के एक कोने में कुछ अराजक तत्व जिस तरह से अराजकता कर रहे हैं, वो भी कुछ दिनों से हम देख रहे हैं।

भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई

बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि राहुल चाहते थे दिल्ली की सड़कों पर लड़ाई हो मगर आज भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की जीत हुई है। जिस तरह लोकतंत्र ने आज दिल्ली में प्रदर्शन किया है और जिस तरह से सारा विषय कंट्रोल में हैं, मैं यह दोहराना चाहता हूं कि अराजकतावादी विफल हो गए और उनका यह कार्यक्रम नहीं चलने वाला है। संबित पात्रा ने कहा कि कुछ दिन पहले कांग्रेस पार्टी ने एक बंद बुलाया था। कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन था। आज कुछ दूसरे तत्वों ने प्रदर्शन किया है।

सीजेपी के दिल्ली प्रोटेस्ट पर जमकर मचा बवाल

● जंतर-मंतर जाने के दौरान ममता-केजरीवाल गिरफ्तार ● प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी,युवक का सिर फटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए जा रहे पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और ममता बनर्जी को पुलिस ने हिरासत में लिया। जंतर-मंतर, कनॉट प्लेस और मिंटो ब्रिज समेत अलग-अलग इलाकों से अब तक 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को भी कस्टडी में लिया जा चुका है। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। पुलिस ने उन्हें खदेड़कर हिरासत में लिया। इस दौरान एक

प्रदर्शनकारी का सिर भी फट गया। इम्तियाज अली मार्ग पर आकाशवाणी भवन के पास प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पार कर पुलिस पर पत्थर फेंके, जिससे दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। इससे पहले सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके को मुंबई से दिल्ली पहुंची फ्लाइट के अंदर से ही हिरासत में ले लिया गया। उनके साथ सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को भी पुलिस ले गई।

ममता ने गाया- जागो दुर्गा तुमी जागो...

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री को पार्टी नेता डोला सेन के साथ हिरासत में लिया गया है। न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक दिल्ली पुलिस ने ममता बनर्जी को तब हिरासत में लिया, जब वह साउथ एवेन्यू बस स्टॉप पर धरना दे रही थीं। इसी दौरान ममता बनर्जी ने विरोध प्रदर्शन के तौर पर महिषासुर मर्दिनी के छंद भी गुनगुनाती सुनी गई हैं। संयोग से शनिवार को ही महालया रहा और रविवार से दुर्गा पूजा।

संकट के समय खुद के हथियार ही आते हैं काम

राजनाथ सिंह बोले-इसलिए हमने 'आत्मनिर्भरता' को अपनाया

ध्रुव, रुद्र, प्रचंड से लेकर आकाश एयर डिफेंस तक का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को राजस्थान के एयर फोर्स स्टेशन जोधपुर में मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति 2026 के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हमारा मकसद सिर्फ उपकरण बनाना नहीं है। हमारा मकसद डिजाइन करना, इनोवेशन करना, इंटीग्रेट करना

और डिलीवर करना है। तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट जैसे स्वदेशी प्रोग्राम, हेलीकॉप्टर डिजाइन और बनाने की हमारी बढ़ती क्षमता, जिसमें ध्रुव, रुद्र और प्रचंड आदि शामिल हैं।

पीएम मोदी की जमकर तारीफ

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने कई साल पहले ही यह समझ लिया था कि आने वाला समय राष्ट्रीय सुरक्षा की मजबूती की कई अप्रत्याशित तरीकों से परीक्षा लेगा। हमने आने वाली उथल-पुथल और रुकावटों का पहले ही अंदाजा लगा लिया था और उनसे खुद को सुरक्षित रखने का फैसला किया था। यह विजन हमारी राष्ट्रीय ताकत की नींव है।

भारतीय वायु सेना अब एक आधुनिक सेना

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के समय सीमित संसाधनों के साथ काम करने वाली भारतीय वायु सेना अब एक आधुनिक और सक्षम सेना बन चुकी है। आज इसके पास एडवांस्ड एयरक्राफ्ट, सटीक निशाना लगाने वाले हथियार, अत्याधुनिक सेंसर, इंटीग्रेटेड नेटवर्क और लगातार बेहतर होती स्वदेशी तकनीकें मौजूद हैं। जब भी कोई भारतीय विमान आसमान में उड़ान भरता है, तो वह सिर्फ एक मशीन की उड़ान नहीं होती ; वह व्यापक है।

आत्म निर्भर भारत की चर्चा

रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि तरंग शक्ति भारत की हवाई ताकत के क्षेत्र में शानदार यात्रा पर विचार करने का एक उपयुक्त अवसर है। हमने आधुनिक शासन-कला की एक कठोर सच्चाई को समझा। संकट के समय, कोई भी देश लंबे समय तक चलने वाले युद्ध तब तक नहीं लड़ सकता जब तक कि वह अपने हथियार और जरूरी तकनीकें खुद बनाने में सक्षम न हो। इसी वजह से हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को अपनी राष्ट्रीय नीति के तौर पर अपनाया।

राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' की दक्षिण में एंट्री

15 से 29 साल के 7.5 करोड़ युवाओं पर फोकस

चेन्नई (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' अभियान के छठे कार्यक्रम में छात्रों और युवाओं से संवाद किया। कोटा, देहरादून, प्रयागराज, पुणे और इंदौर के बाद यह कार्यक्रम पहली बार दक्षिण भारत में हुआ है। 'यूथ इन इंडिया 2022' की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण भारत में 15 से 29 साल के करीब 7.5 करोड़ युवा हैं। जिन पर राहुल का फोकस रहा। राहुल इस अभियान में शिक्षा, बेरोजगारी, प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और युवाओं पर बढ़ते दबाव जैसे मुद्दे उठा रहे हैं। तमिलनाडु में कांग्रेस 59 साल बाद सत्ता में भागीदार बनी है। मुख्यमंत्री विजय की अगुवाई वाली टीवीके सरकार में कांग्रेस के दो विधायक मंत्री हैं। इससे पहले कांग्रेस राज्य में डीएमके के साथ गठबंधन में थी, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद उसने डीएमके से अलग होकर टीवीके को समर्थन दिया।

अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो सीजेपी नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी

एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया

मुंबई, एजेंसी। एक कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुप्रिया सुले ने दीपक और सीजेपी के नेताओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की है, उन्होंने कहा कि ये नेता दिल्ली में शांतिपूर्ण आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे। सुले ने सरकार की कार्रवाई को कायरतापूर्ण बताया है। उन्होंने सवाल किया कि अगर आंदोलन शांतिपूर्ण था, तो नेताओं को हिरासत में लेने की जरूरत क्यों पड़ी।

सुप्रिया सुले ने कहा कि सरकार का तर्क है कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने से कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती थी, इसी आशंका के चलते धारा 163 लागू की गई और एहतियात के तौर पर हिरासत में लिया गया। सुले ने इस दलील पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने आंदोलनकारियों से बातचीत करने की कोशिश क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि अगर कोई शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहा है, तो उसे हिरासत में लेने की जरूरत क्या है। आखिर वे क्या कर लेते। सुले ने जंतर-मंतर पर हुए पिछले आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 24 घंटे युवा मौजूद रहते थे, लेकिन न हिंसा हुई और न ही किसी के साथ दुर्व्यवहार हुआ, उन्होंने कहा कि वहां महिलाएं और लड़कियां भी अपने घर की तरह सुरक्षित महसूस कर रही थीं, उनके मुताबिक, यह देखकर अच्छा लगा कि नई पीढ़ी अपने विचारों को लेकर स्पष्ट है और आंदोलन किसी खास वर्ग तक सीमित नहीं था, बल्कि एक उद्देश्य से जुड़ा हुआ था।

सरकार की ओर से यह दलील दी जा रही है कि जुलाई में संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और संसद की कार्यवाही बाधित होने जैसी स्थिति दोबारा न बने, इसलिए एहतियाती कदम उठाए गए हैं, लेकिन सुप्रिया सुले ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि सरकार के पास आंदोलनकारियों से बातचीत करने का विकल्प था। उन्होंने सवाल किया कि सरकार की ओर से किसने आंदोलनकारियों से संपर्क करने की कोशिश की। क्या किसी ने विपक्ष या सीजेपी के नेतृत्व से बातचीत की। सुले के मुताबिक अगर सरकार ने आंदोलनकारियों से संवाद किया होता, तो मार्च शांतिपूर्ण तरीके से निकाला जा सकता था। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार को संवाद करना ही नहीं आता। सुले ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर सीजेपी के साथ खड़ी है।

स्टारलिंक विवाद के बीच अंबानी पर भड़के एलन मस्क बताया पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने भारत में अपनी सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को मंजूरी न मिलने पर उद्योगपति मुकेश अंबानी पर सीधा निशाना साधा है। मस्क ने अंबानी को भारत का असली बॉस बताया और उन्हें कटाक्ष करते हुए डियर प्राइम मिनिस्टर अंबानी कहकर संबोधित किया। मस्क भारत में स्टारलिंक को मंजूरी न मिलने से पहले से ही बौखलाए हुए हैं। मस्क ने कहा, मुझे नहीं पता था कि आप ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंबानी भारत के लोगों का एकतरफा शोषण करेंगे, लेकिन स्टारलिंक को देश में नहीं आने देंगे। मस्क के अनुसार, भारत के कई इलाकों में इंटरनेट नहीं है, जिससे बहुत सारे छात्र शिक्षा से वंचित रह जाते हैं और छोटे कारोबारी अपने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में नहीं बेच पाते। उन्होंने दावा किया कि स्टारलिंक लाखों लोगों का जीवन बदल सकता है। एक दिन पहले, मस्क ने एक सोशल मीडिया पोस्ट पर टिप्पणी करते हुए पूछा था कि क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत सरकार अब नागरिकों के हितों को नजरअंदाज करके उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाली व्यवस्था की रक्षक बन गई है। मस्क ने बताया कि स्टारलिंक को 165 देशों में लाइसेंस मिल चुका है, लेकिन भारत में सभी शर्तों का पालन करने के बाद भी उसे मंजूरी नहीं मिली है।

महाराष्ट्र के ठाणे में शिवसेना नेता की हत्या के आरोपी यूपी के प्रयागराज से दबोचे गए

प्रयागराज (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शिवसेना (यूबीटी) नेता और पूर्व विभाग प्रमुख प्रदीप पूर्णकर की गोली मारकर हत्या के मामले में वांछित दो आरोपियों को उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और महाराष्ट्र पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को नैनी के अरैल सेल्फी प्वाइंट के पास से पकड़ा गया। आरोपियों की पहचान वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र निवासी संतोष कनौजिया और अमित सिंह के रूप में हुई है। वारदात के बाद दोनों महाराष्ट्र से भागकर प्रयागराज आ गए थे। एसटीएफ के मुताबिक, महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कापुरबावड़ी थाने में दर्ज हत्या के मामले में संतोष कनौजिया और अमित सिंह वांछित थे। महाराष्ट्र पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए उत्तर प्रदेश एसटीएफ से सहयोग मांगा था। इसके बाद एसटीएफ की प्रयागराज इकाई ने आरोपियों की तलाश शुरू की। एसपी शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण और प्रभारी जय प्रकाश राय के नेतृत्व में गठित टीम ने महाराष्ट्र पुलिस के साथ शुक्रवार रात करीब 7:30 बजे नैनी स्थित अरैल सेल्फी प्वाइंट के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इंदौर के थाने में भाजपा कार्यकर्ता से मारपीट का आरोप, थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मी निलंबित

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर शहर के एरोड्रम थाने में भाजपा कार्यकर्ता जयदीप दुबे और उनके जीजा पंकज चौबे के साथ मारपीट और घसीटने का मामला आया है। घटना से नाराज विधायक गोलू शुक्ला के 400 से अधिक समर्थकों ने देर रात थाना का घेराव कर प्रदर्शन किया। हंगामे के बाद थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह कुशवाह सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। जयदीप दुबे के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब साढ़े पांच बजे घर के पास स्कूटी सवार से अचानक ब्रेक लगाने की बात पर विवाद हुआ था। आरोप है कि स्कूटी सवार ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बीच-बचाव करने आए उनकी पत्नी और बच्चों के साथ भी अभद्रता कर जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद वह शिकायत दर्ज करने थाने पहुंचे। दुबे का आरोप है कि सीने में दर्द होने की जानकारी देने के बावजूद उनकी शिकायत पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई। रात करीब 11 बजे वह अपने जीजा पंकज चौबे के साथ फिर थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद हुआ। दुबे ने थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मियों पर लात-घूंसों तथा डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया। उनकी पत्नी रानू दुबे ने भी पुलिसकर्मियों पर अभद्रता करने और धक्का देने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक थाने पहुंच गए और कार्रवाई की मांग करने लगे। देर रात पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी सहित सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

राजौरी में हादसा: खाई में गिरा वाहन, एक ही परिवार के 30 लोग सवार, दो की मौत, 21 घायल

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के कम से कम दो लोगों की मौके पर मौत हो गई और 21 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यात्रियों से भरा एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में जा गिरा। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वाहन में एक ही परिवार के लगभग 30 सदस्य सवार थे। यह दर्दनाक हादसा राजौरी जिले के कालाकोट उपमंडल के मोगला-तारयाठ क्षेत्र के करी छब्बर इलाके में हुआ। जानकारी के मुताबिक, सुंदरबनी उपमंडल के मावेला इलाके से ये सभी अपने एक रिश्तेदार के निधन पर शोक व्यक्त करने के बाद मोगला-तारयाठ की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान करी छब्बर इलाके में वाहन चालक कथित तौर पर वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके चलते यह भीषण दुर्घटना हुई। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। घायलों को खाई से बाहर निकाला और उन्हें चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों में दो लोगों की मौके पर मौत और 21 यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हताहतों की अंतिम संख्या और घायलों की स्थिति के संबंध में अधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। समाचार लिखे जाने तक बचाव अभियान जारी था और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही थी।

नागौर में पुजारी से मारपीट के विरोध में हाईवे जाम, 60-70 ग्रामीणों पर मामला दर्ज

नागौर(एजेंसी)। राजस्थान के नागौर जिले में एक पुजारी से मारपीट की घटना के विरोध में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 458 पर जाम लगा दिया। 8 अक्टूबर की रात तपोवन आश्रम घड़वा नाडा के पुजारी के साथ हुई इस घटना के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर करीब 60 से 70 ग्रामीणों ने दो घंटे तक हाईवे बाधित रखा, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। बेरासर, उबासी और पिडियां गांवों के ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 458 को जाम कर दिया, जिससे नागौर से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और यातायात लगभग दो घंटे तक ठप रहा।

वांगचुक का केंद्र सरकार को अल्टीमेटम, 24 घंटे में नहीं किया रिहा...

नई दिल्ली , एजेंसी। लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने दिल्ली में हो रहे सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान नेताओं की गिरफ्तारी पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताकर गिरफ्तार नेताओं को जल्द रिहा करने की मांग की है। पर्यावरण कार्यकर्ता वांगचुक ने साफ कहा है कि अगर इन नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तब वह अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करेंगा। इन नेताओं में अभिजीत दिपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका सहित कॉकरोच पार्टी के कई लोग शामिल है।

वांगचुक ने एक बयान जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को उन्होंने आज के प्रदर्शन को लेकर एकजुटता और शांति बनाए रखने की अपील की थी। तब उन्होंने सोचा भी नहीं था कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में ऐसी स्थिति बन जाएगी, इस स्थिति को अघोषित आपातकाल मान रहे हैं। वांगचुक के मुताबिक, उन्हें इसकी खुशी थी कि आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए कई नेता आगे आए हैं। लेकिन अब उन्हें पता चला है कि उन सभी नेताओं को गिरफ्तार किया है। वांगचुक ने इसी बात पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि गिरफ्तार किए गए सभी नेताओं को जल्द रिहा किया जाएगा। वांगचुक ने साफ किया है कि अगर कल तक नेताओं की रिहाई नहीं होती, तब उन्हें अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करना पड़ेगा। यानी वे खुद अनशन या पदयात्रा के जरिए अपना विरोध दर्ज करने पर सोच सकते हैं। अनशन का मतलब खाना छोड़कर विरोध करना है, जबकि पदयात्रा में लोग पैदल चलकर अपनी बात रखते हैं। वांगचुक ने अपने संदेश में शांति और एकजुटता पर जोर दिया है।

मैं अयोध्या से लड़ने को तैयार, आप भी नामांकन कीजिए...

सीएम योगी को मंजूर अखिलेश का चैलेंज

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती पर पलटवार किया है। जनसभा में उन्होंने अखिलेश को भी अयोध्या से नामांकन करने को कहा और माफिया, राम मंदिर और विपक्ष की भाषा पर भी पलटवार किया। उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी अखिलेश पर सवाल उठा दिए।

अखिलेश दो दिन के दौरे पर अयोध्या पहुंचे थे। जहां उन्होंने भागवत कथा में हिस्सा लिया, संतों से आशीर्वाद लिया और एक जनसभा में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अपनी लोकप्रियता पर भरोसा है,तब अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाएं। उनका कहना था कि राज्य न्याय और मानवता से चलता है और अयोध्या की जनता चुनाव में दूध का दूध और पानी का पानी कर देगी।

अखिलेश की चुनौती पर योगी ने बलरामपुर में सीधा जवाब दिया। उन्होंने कहा, अखिलेश, अयोध्या हमारी पावन धाम है। हम सियासत के लिए नहीं, विकास के लिए अयोध्या जाते हैं। 'आइए, आपको ऑफर देता हूं। आप भी अयोध्या से नामांकन करिए और मैं भी। चलिए, एक बार अपनी किस्मत आजमा लेते हैं। योगी ने अयोध्या को अपनी आस्था की स्थली बताया।

सीएम योगी ने जनसभा में पिछली सरकारों पर भी निशाना साधा। उनका आरोप था कि पहले माफिया जिस जमीन पर पैर रखता था, उस पर कब्जा कर लेता था। सपा के गुंडे व्यापारियों को फोन कर धमकाते और संपत्ति हड़प लेते थे। उन्होंने दावा किया कि 2017 से पहले बलरामपुर की सड़कें सबसे खराब थीं। अब वोट तस्करी और बदमाशों की अराजकता की जगह विकास और बदलाव का आधार बन रहा है और इलाके को आकांक्षात्मक जिले से संभावनाओं वाला जिला बनाने पर काम किया जा रहा है।

सीएम योगी ने राम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम का जिक्र कर कहा कि इनके निर्माण में रुकावट बनने वाले आज प्रधानमंत्री मोदी का विरोध कर रहे हैं, पर विरोध की भी एक सीमा होती है। कांग्रेस और सहयोगी दलों पर उन्होंने शिष्टाचार भूलने और अभद्र भाषा बोलने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक इसतरह के प्रयास देश को गुमराह करने और अराजकता की ओर ले जाने वाले हैं। इसके पहले डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा था कि अखिलेश भागवत कथा में गए, पर राम मंदिर में दर्शन करने नहीं गए। उनके मुताबिक रामलला के दर्शन न करने वालों की रामभक्ति पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि देश और दुनिया से लोग मंदिर पहुंच रहे हैं।

आली धाम में चढ़ा रिकॉर्ड चढ़ावा, 19 लाख से ज़्यादा के नोट मिले

चित्तौड़गढ़ (एजेंसी)। जिले के कपासन उपखंड स्थित मेवाड़ के सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री शनिमहाराज आली धाम में मंदिर के भंडारे (दानपात्र) खोले गए। इस दौरान श्रद्धालुओं द्वारा आस्थापूर्वक अर्पित की गई भेंट राशि की गिनती की गई। केवल नोटों की गिनती में ही कुल 19 लाख 41 हजार 755 रुपये की रिकॉर्ड भेंट राशि प्राप्त हुई है। मंदिर ट्रस्ट और प्रबंध समिति के अनुसार, सिक्कों की गिनती प्रक्रिया अभी जारी है, जिसके बाद ही इस माह प्राप्त हुई कुल भेंट राशि का अंतिम और सटीक आंकड़ा सार्वजनिक किया जा सकेगा। कपासन क्षेत्र के इस प्रमुख धार्मिक स्थल श्री शनिमहाराज आली में हर महीने अमावस्या से ठीक एक दिन पहले चतुर्दशी के पावन अवसर पर मंदिर के दानपात्रों को खोलने की वर्षों पुरानी परंपरा है। शनिवार को भगवान श्री शनिदेव महाराज की विशेष विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती और मंत्रोच्चार के बाद मुख्य समिति की मौजूदगी में भंडारों को खोला गया। इस दौरान मुख्य मंदिर परिसर, नवग्रह मंदिर और तेल कुंड के पास स्थित दानपात्रों से श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित की गई भेंट राशि निकाली गई। दानपात्रों से निकाली गई राशि की गिनती कड़ी सुरक्षा और मंदिर पदाधिकारियों की उपस्थिति में शुरू की गई। बीती रात तक नोटों की गिनती का काम पूरा कर लिया गया, जिसमें यह रिकॉर्ड राशि प्राप्त हुई। इसके बाद अब सिक्कों की छंटनी और गिनती की प्रक्रिया शुरू की गई है। गिनती की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जा रही है। चित्तौड़गढ़ और मेवाड़ क्षेत्र में श्री शनिमहाराज आली धाम की अपार धार्मिक मान्यता है। हर महीने आने वाली अमावस्या पर यहां देश और प्रदेश के विभिन्न कोनों से हजारों-लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शनिदेव के दर्शन करने और तेल चढ़ाने पहुंचते हैं। भक्तों में मान्यता है कि यहां तेल अर्पण करने और पूजा-अर्चना करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी अपार आस्था के चलते हर महीने भंडारे में लाखों रुपये की भेंट राशि और तेल समर्पित किया जाता है।

श्री राम विद्या मंदिर में साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

हरिद्वार (शिखर समाचार)। श्यामपुर स्थित श्री राम विद्या मंदिर में विद्यार्थियों और अभिभावकों को साइबर अपराधों से बचाने तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोतवाली श्यामपुर पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों को साइबर धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए और नाबालिगों के वाहन चलाने से होने वाले खतरों के प्रति सचेत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

पुलिस प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को बताया कि डिजिटल दुनिया में थोड़ी सी लापरवाही आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। उन्होंने सलाह दी कि किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, सामाजिक माध्यमों पर अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें और साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। कार्यक्रम में अभिभावकों को भी समझाया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति देना कानून के विरुद्ध है और इससे उनकी सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। अभिभावकों से अपील की गई कि वे बच्चों को तब तक कार, मोटरसाइकिल या स्कूटी न चलाने दें, जब तक वे निर्धारित आयु पूरी कर वैध वाहन चलाने का लाइसेंस प्राप्त न कर लें। विद्यालय के प्रधानाचार्य और प्रबंधन ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और उनका उज्ज्वल भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करना और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। विद्यालय ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने की शपथ ली। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी और अभिभावक उपस्थित रहे।

पितृ अमावस्या पर नारायणी शिला पहुंचे एसएसपी नवनीत सिंह, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पितृ अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने मायापुर स्थित नारायणी शिला पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

एसएसपी ने कहा कि पितृ अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी पूरी जिम्मेदारी से निभाएं। भीड़ के बीच बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए और आवश्यकतानुसार पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी स्थिति में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश भी दिए। पुलिस अधिकारियों को भीड़ की स्थिति पर नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें।

बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान का तत्काल आकलन करें अधिकारी: मदन कौशिक

हरिद्वार (शिखर समाचार)। उत्तराखंड में 9 अक्टूबर 2026 को हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलों सहित जन-धन और अन्य परिसंपत्तियों को हुए नुकसान को देखते हुए पंचायती राज एवं आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक ने अधिकारियों को तत्काल सर्वेक्षण कर राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आपदा एवं पुनर्वास विभाग के सचिव से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि पीड़ितों को समयबद्ध सहायता मिल सके। मंत्री मदन कौशिक ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी जिलों में संबंधित विभागों के अधिकारी तत्काल स्थलीय सर्वेक्षण कर नुकसान का आकलन करें। सर्वेक्षण में फसलों के साथ पशुधन, आवास और अन्य परिसंपत्तियों को हुई क्षति का भी आकलन किया जाए। इससे प्रभावित किसानों और अन्य पीड़ितों की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर राहत एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों और अन्य प्रभावित परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर संवेदनशीलता के साथ काम करें और नुकसान का सही आकलन सुनिश्चित करें। सर्वेक्षण प्रक्रिया में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए, ताकि पात्र लोगों को समय पर

राहत मिल सके। मंत्री ने अधिकारियों को शासन के निर्धारित नियमों और मानकों के अनुसार पात्र किसानों तथा अन्य प्रभावित व्यक्तियों को अनुमन्य मुआवजा एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई प्राथमिकता से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहत वितरण में पारदर्शिता बनाए रखी जाए और वास्तविक प्रभावितों तक सहायता पहुंचाने में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूरी करने को कहा गया है, ताकि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को कठिन परिस्थितियों में समय पर राहत मिल सके।

स्वर्गीय सत्येंद्र सिंह की स्मृति में कन्या डिग्री कॉलेज में वार्षिकोत्सव, छात्राओं ने बिखेरी सांस्कृतिक छटा

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मुबारिकपुर तिगाई गांव स्थित चौधरी हरबंश सिंह कन्या डिग्री कॉलेज परिसर में कॉलेज के मुख्य संरक्षक रहे स्वर्गीय सत्येंद्र सिंह की स्मृति में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने माता-पिता, अभिभावकों और संरक्षकों से बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, व्यक्तित्व निर्माण और समाज की प्रगति का मजबूत आधार है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना आवश्यक है। इस अवसर पर छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। समारोह में दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित विभिन्न प्रदेशों से आए विशिष्ट अतिथियों तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की पत्रिका ज्योतिर्गमय का प्रकाशन भी किया गया। पत्रिका के प्रकाशन पर विभिन्न गणमान्य लोगों ने शुभकामना संदेश भेजे। कॉलेज प्रबंधन की कार्यकारिणी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की। कार्यकारिणी के उप सचिव हरवीर सिंह ने बताया कि राजनाथ सिंह का कॉलेज से पुराना जुड़ाव रहा है और वह कई बार यहां आ चुके हैं। उन्होंने कॉलेज की स्थापना से लेकर अब तक की विकास यात्रा की जानकारी दी तथा समारोह में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। हरवीर सिंह ने कहा कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान की प्रगति सामूहिक प्रयास, समर्पण और सकारात्मक सोच से संभव होती है। उन्होंने कॉलेज की प्राचार्या सारिका शर्मा सहित शिक्षकों और कर्मचारियों के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से संस्थान निरंतर प्रगति कर रहा है। समारोह में बेटियों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने और शिक्षा के प्रसार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

जीएसटी व्यवस्था सरल बनाने की सिफारिशों का व्यापार मंडल ने किया स्वागत, छोटे व्यापारियों को राहत देने की मांग

सहारनपुर (शिखर समाचार)। संपूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 57वीं बैठक में व्यापारियों को राहत देने और कर व्यवस्था को सरल बनाने के लिए की गई सिफारिशों का स्वागत किया है। संगठन के जिला अध्यक्ष जयवीर राणा ने कहा कि जीएसटी व्यवस्था में सुधार व्यापारियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकते हैं। जयवीर राणा ने कहा कि बैठक में जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया सरल बनाने, कर वापसी, विभागीय नोटिस, जुमार्ने, इनपुट टैक्स क्रेडिट और इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण प्रस्ताव सामने आए हैं। छोटे व्यापारियों को राहत देने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया में स्पष्ट दिशा-निर्देश उपलब्ध कराने और कर विभाग के पोर्टल को अधिक सुविधाजनक बनाने की सिफारिश भी महत्वपूर्ण है। इससे व्यापारियों को प्रक्रियागत कठिनाइयों से राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ हैं। जीएसटी व्यवस्था जितनी सरल, पारदर्शी और व्यावहारिक होगी, व्यापार करना उतना ही आसान होगा। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं पर विचार करने के लिए सरकार और जीएसटी परिषद के प्रति आभार जताया। जिला अध्यक्ष ने मांग की कि इन सिफारिशों को आवश्यक अधिसूचनाएं जारी करने और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। विभागीय अधिकारियों की जवाबदेही तय करने, कर पोर्टल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान करने और व्यापारियों को अनावश्यक नोटिस एवं उत्पीड़न से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही सभी नियमों और दिशा-निर्देशों को सरल हिंदी में भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि छोटे व्यापारियों को उन्हें समझने में परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि सुधारों की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित निगरानी से सुनिश्चित होगी।

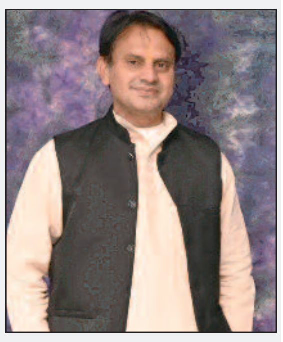

कविनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की 33 लोहे की प्लेट बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद के थाना कविनगर पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से चोरी की 33 लोहे की प्लेट, दो नंबर प्लेट और घटना में प्रयुक्त कैंटर बरामद किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटना से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए हैं। बरामद कैंटर का पंजीकरण नंबर UP16GT3699 है, जबकि बरामद नंबर प्लेट पर UP13CT 2207 अंकित है। पुलिस के अनुसार, चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और उनमें संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कविनगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चोरी की गई लोहे की प्लेटें बरामद कीं। बरामदगी में 33 लोहे की प्लेटों के साथ दो नंबर प्लेट भी शामिल हैं। घटना में इस्तेमाल किए गए कैंटर को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस बरामद सामान और वाहनों से संबंधित तथ्यों की जांच कर रही है। साथ ही आरोपी से पूछताछ के आधार पर चोरी की घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी की वारदात को किस प्रकार अंजाम दिया गया और इसमें किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। थाना कविनगर पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिन्जाहेड़ी में वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ नर गुलदार, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना क्षेत्र के ग्राम बिन्जाहेड़ी में वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक नर गुलदार कैद हो गया। शनिवार सुबह गुलदार के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों को पिंजरे से दूर किया और गुलदार को सुरक्षित रेस्क्यू कर पिंजरे सहित अपने साथ ले गई। ग्रामीणों की मांग पर वन विभाग ने कुछ दिन पहले गांव में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि किसी समय लगभग तीन से चार वर्ष की उम्र का नर गुलदार पिंजरे में फंस गया। सुबह ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। गुलदार पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग की कार्रवाई के लिए आभार जताया। गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पहले नगीना गोशाला के पास लगाए गए पिंजरे में एक मादा गुलदार भी कैद हुई थी। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले गोशाला के सामने सड़क पार करते हुए जिस गुलदार का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ था, वह मादा नहीं बल्कि नर गुलदार हो सकता है। हालांकि, इस संबंध में वन विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वन रेंजर प्रदीप शर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने पकड़े गए गुलदार को रेस्क्यू करने के बाद कृषि विज्ञान केंद्र के हॉल में रखा है। अधिकारियों के अगले निर्देश मिलने तक गुलदार को वहीं सुरक्षित रखने की व्यवस्था की गई है।

नवरात्रि महोत्सव को लेकर नगर निगम अलर्ट, मंदिरों में सफाई से लेकर रोशनी तक के पुख्ता इंतजाम

मंदिरों तक जाने वाले मार्ग गड्ढामुक्त, पेयजल की व्यवस्था और रामलीला मैदानों में विशेष सफाई अभियान शुरू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नवरात्रि महोत्सव और आगामी त्योहारों को देखते हुए गाजियाबाद नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर शहर के प्रमुख मंदिरों, पूजा पंडालों और रामलीला स्थलों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने, मंदिरों तक जाने वाले मार्गों को गड्ढामुक्त बनाने और पेयजल उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नगर निगम की ओर से मंदिरों के आसपास सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के साथ जरूरत के अनुसार कूड़ेदान रखवाए जा रहे हैं। मंदिरों के बाहर और आसपास के मार्गों पर अंधेरा न रहे, इसके लिए प्रकाश व्यवस्था की निगरानी की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्माण विभाग ने प्रमुख मंदिरों के साथ आंतरिक वार्डों में स्थित मंदिरों तक जाने वाले मार्गों पर भी गड्ढों की मरम्मत कर उन्हें सुगम बनाने का कार्य किया है। आवश्यकता के अनुसार पानी के टैंकरों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था भी कराई गई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि आगामी त्योहारों को देखते हुए नगर निगम के सभी संबंधित विभाग अभियान के रूप में कार्य कर रहे हैं। स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

शहर में आयोजित रामलीलाओं को लेकर भी नगर निगम विशेष भूमिका निभा रहा है। रामलीला मैदानों में स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। मैदानों के आसपास सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सड़क की मरम्मत और आवश्यक सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जा रहे हैं। नगर निगम ने शहरवासियों और श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने तथा कचरा निर्धारित स्थानों पर डालने की अपील की है। निगम का उद्देश्य भक्ति के उत्सव के साथ शहर को स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखना है।

महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव में वैष्णवी नाट्यालय की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, भक्ति में झूमे श्रद्धालु

सहारनपुर (शिखर समाचार)। वैश्य अग्रवाल सभा समन्वय समिति के तत्वावधान में वैश्य अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के तीसरे दिन भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध वैष्णवी नाट्यालय समूह के कलाकारों ने नृत्य-नाटिकाओं और भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने महाराजा अग्रसेन के जीवन चरित्र, श्रीकृष्ण लीला और माता रानी की महिमा का सजीव मंचन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महाराजा अग्रसेन के जयकारों के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु कलाकारों की प्रस्तुतियों पर झूम उठे। देर रात तक धर्मशाला परिसर भक्ति और सांस्कृतिक उल्लास से सराबोर रहा। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और संस्कारों से जोड़ना है। महाराजा अग्रसेन के आदर्श समाज में समानता, सहयोग और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धालुओं को धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिला।

इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों हितेश गर्ग, अनिल अग्रवाल, डॉ. पीडी गर्ग, राम राजीव सिंघल, पूर्व राज्य मंत्री एवं विधायक संजय गर्ग, प्रदीप मित्तल, नकुड़ के पालिकाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता, डीके बंसल, विवेक सिंघल, संजय अग्रवाल, मुकुंद मनोहर गोयल, एमपी सिंघल, संजीव गोयल, नलनीश गर्ग, महावीर गुप्ता, सुनील गुप्ता, राजीव गोयल, पंकज गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, पवन गोयल, कुसुम अग्रवाल, संगीता गोयल, ममता सिंघल, श्रुति सिंघल, अनुभा सिंघल, नीतुल गुप्ता, रीना गोयल, आरती गुप्ता, शुभम गोयल, दीपक गुप्ता, सचिन गर्ग, डॉ. गौरव गुप्ता, नीरज गुप्ता, विभोर जिंदल, शिवा गोयल और विवेक गोयल सहित अग्रवाल समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों का तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार समाप्त, मांगों को लेकर लखनऊ कूच करेंगे कर्मचारी

शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले चल रहा एनएचएम संविदा कर्मचारियों का तीन दिवसीय कार्य बहिष्कार और धरना-प्रदर्शन शनिवार को समाप्त हो गया। आंदोलन के अंतिम दिन कर्मचारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर धरना देकर नियमितीकरण, समान कार्य-समान वेतन और अन्य सुविधाएं दिए जाने की मांग उठाई। कर्मचारियों ने बताया कि रविवार को आपातकालीन सेवाओं में तैनात कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारी लखनऊ कूच करेंगे।

कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। उन्होंने संविदा कर्मचारियों को नकदरहित स्वास्थ्य सुविधा, महंगाई भत्ता, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), मकान किराया भत्ता (एचआरए) और उपदान सहित अन्य लाभ देने की मांग की। इसके अलावा रिक्त पदों पर स्थानांतरण नीति लागू करने, मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने, नियमित भर्ती में आरक्षण और बाहरी एजेंसियों के माध्यम से नियुक्त कर्मचारियों के समायोजन की मांग भी उठाई गई। संघ के जिलाध्यक्ष संगीत शर्मा ने बताया कि कार्य बहिष्कार के कारण सहायक नर्स दाई (एएनएम), राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) और क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम सहित कई स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं। उनके अनुसार, शासन स्तर से मांगों पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों ने लखनऊ जाकर आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया है।

धरने में महामंत्री मुब्बसिर खान, डॉ. साईस्ता, जिला सामुदायिक प्रक्रिया प्रबंधक फहीम अहमद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आयुतोष श्रीवास्तव, डॉ. शौर्य मलिक, डॉ. विवेक, डॉ. अजहर, लविश कुमार और दीपक शर्मा सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस: नर्सिंग कॉलेज ने निकाली रैली 550 विद्यार्थियों ने दिया जागरूकता का संदेश, पिलखुवा से अनवरपुर तक निकली रैली

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भव्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। "लिव्ड एक्सपीरियंसेज हर्ड: रियल वॉइसेज, रियल चेंज" थीम पर निकाली गई इस रैली का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना और इससे जुड़ी सामाजिक भ्रांतियों को समाप्त करना रहा। रैली का शुभारंभ पिलखुवा के रामलीला मैदान से हुआ, जो मुख्य मार्गों से होते हुए अनवरपुर स्थित सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पहुंचकर संपन्न हुई। रैली में 550 नर्सिंग व पैरामेडिकल छात्र-छात्राओं और 50 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। विद्यार्थियों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर तनाव प्रबंधन और समय पर विशेषज्ञ सहायता लेने का संदेश दिया।

कार्यक्रम प्राचार्या प्रो. डॉ. आर. पिरामिला के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसमें उप-प्राचार्य केतन शर्मा, प्रो. अनीता रानी व एसोसिएट प्रोफेसर यशस्वी का विशेष योगदान रहा। मुख्य अतिथि के रूप में एएसपी हापुड़ उपस्थित रहे। इस दौरान सीओ पिलखुवा मुनीश चंद, सीआई लक्ष्मी कांत, ऋषि पाल सिंह, कृष्णराज और दीपक शर्मा मौजूद रहे।

प्राचार्या प्रो. डॉ. पिरामिला ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य संपूर्ण स्वास्थ्य का अभिन्न हिस्सा है और समस्याओं के शुरूआती लक्षण पहचानकर बिना संकोच मदद लेनी चाहिए। वहीं सीआई लक्ष्मी कांत ने पुलिसकर्मियों के तनाव प्रबंधन पर विचार रखे। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर डॉ. आर.के. सहगल, जीएम एन. वर्धराजन, रघुवर दत्त सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालन लिजी चौधरी ने किया तथा आभार प्रो. आर. जयप्रिया ने व्यक्त किया।

शेखर पांचाल बने अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के जिला कोषाध्यक्ष

सहारनपुर (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने नानौता विकासखंड के छछरोली गांव निवासी युवा समाजसेवी शेखर पांचाल को सहारनपुर जिले का कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति समाज के प्रति समर्पण, निष्ठा और सामाजिक कार्यों में सक्रिय योगदान को देखते हुए की गई है। महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज पांचाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभियंता विजेश कुमार शर्मा की संस्तुति पर शेखर पांचाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महासभा के शिविर कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजेश कुमार शर्मा और जिलाध्यक्ष मनोज पांचाल ने शेखर पांचाल को मनोनयन पत्र सौंपा। इस दौरान उन्हें संगठन को मजबूत बनाने, समाज के लोगों को जोड़ने और महासभा की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए।

जिलाध्यक्ष मनोज पांचाल ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट कर उनके हितों के लिए कार्य करना तथा सामाजिक उत्थान को बढ़ावा देना है। उन्होंने विश्वास जताया कि शेखर पांचाल अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन की मजबूती और सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। वहीं, उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के समाजसेवियों और महासभा के कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

जगनपुर में सड़क निर्माण और जल निकासी को लेकर विवाद, 200 परिवार जलभराव से परेशान

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव जगनपुर में सड़क निर्माण और पानी की निकासी को लेकर विवाद सामने आया है। ग्रामीणों ने कुछ लोगों पर सड़क निर्माण में बाधा डालने और जल निकासी का रास्ता बंद करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को थाना समाधान दिवस में शिकायत दर्ज कराई। ग्रामीणों ने प्रशासन से समस्या का समाधान कराने की मांग की।

ग्रामीणों ने प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव में करीब 72 बीघा क्षेत्रफल का तालाब है, जिसकी निकासी पश्चिम दिशा में है। गांव में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) निधि से सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क का ढाल पश्चिम दिशा में तालाब की ओर रखने की योजना है, ताकि गांव के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके। आरोप है कि कुछ लोग सड़क का ढाल पश्चिम दिशा में करने का विरोध कर रहे हैं, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से रास्ते में पानी जमा हो रहा है। इससे करीब 200 परिवार प्रभावित हैं और बच्चों को विद्यालय आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि गांव में पानी की निकासी का स्थायी प्रबंध नहीं होने के कारण समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो बुधवार को करीब 50 ग्रामीण लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और अपनी परेशानी से अवगत कराएंगे। शिकायत के दौरान राजेश प्रधान, विनोद कुमार, मदन कुमार, प्रदीप कुमार, सुशील कुमार, संजीव चौहान, राजकुमार चौहान और सागर राठौर सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक ने सीएम योगी से की मुलाकात नए कोर्ट भवन और सीमा विस्तार के लिए मांगा बजट, मुख्यमंत्री ने दिया आश्वासन

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर नए जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण और जिले के सीमा विस्तार के लिए बजट आवंटन की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विधायक विजयपाल आढ़ती ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जनपद में नए कोर्ट परिसर का निर्माण होने से अधिवक्ताओं और वादकारियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी। इसके साथ ही उन्होंने जिले की बढ़ती आबादी और विकास की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हापुड़ की सीमा विस्तार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि सीमा विस्तार होने से नई आवासीय योजनाओं, औद्योगिक क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे को रफ्तार मिलेगी।

मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान हापुड़ विधानसभा क्षेत्र की सड़कों और अन्य विकास कार्यों से जुड़ा मांग पत्र भी सौंपा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि हापुड़ के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी और जिला न्यायालय भवन निर्माण सहित सभी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बुजुर्गों को मासिक पेंशन, आयुष्मान कार्ड और बस किराये में छूट दिलाने की पहल

गोरखपुर , एजेंसी। वरिष्ठ नागरिकों को मासिक न्यूनतम पेंशन, आयुष्मान कार्ड और बस किराये में छूट दिलाने के लिए भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर्स कल्याण समिति ने पहल तेज की है। शुक्रवार को पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ कार्यालय में आयोजित जिला सम्मेलन में बुजुर्गों के अधिकारों, सुविधाओं और कल्याण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष राजीव रंजन तिवारी ने बताया कि जयपुर में 19 और 20 मार्च को आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजे गए हैं। इनमें मासिक न्यूनतम पेंशन, आयुष्मान कार्ड, वरिष्ठ पुरुषों को भी बस किराये में छूट और सरकारी व अर्धसरकारी कार्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित करने की मांग शामिल है। उन्होंने कहा कि समिति का उद्देश्य बुजुर्गों को सम्मान, सुरक्षा और जरूरी सुविधाएं दिलाना है।

दयाकिशोर को मिली जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी – नई कार्यकारिणी में दयाकिशोर राय को जिलाध्यक्ष, वाल्मीकि शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष और भरत सिंह को जिला मंत्री बनाया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता गिरीश चंद्र श्रीवास्तव ने की। वक्ताओं ने कहा कि संयुक्त परिवारों के बिखरने से वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में संगठन का विस्तार कर उनकी परेशानियों को प्रमुखता से उठाने और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

जमीन के नाम पर 6.10 लाख रुपये ले लिए, नहीं किया बैनामा

गोरखपुर , एजेंसी। खोराबार थाना क्षेत्र में जमीन बेचने के नाम पर 6.10 लाख रुपये लेने के बाद बैनामा नहीं करने का मामला सामने आया है। गौर गांव निवासी राधाकृष्ण ने छपरा गांव निवासी अरविंद तिवारी और उनकी पत्नी आरती देवी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। आरोप है कि रुपये वापस मांगने पर दंपती ने गाली-गलौज की और दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दंपती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज ली है। राधाकृष्ण ने 12 अप्रैल 2026 को खोराबार थाने में दी गई तहरीर में बताया कि परमेश्वर गुप्ता के माध्यम से 17 डिसमिल जमीन का सौदा सात लाख 20 हजार रुपये में तय हुआ था। इसके एवज में उन्होंने 6.10 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। आरोप है कि इसके बाद अरविंद तिवारी जमीन का बैनामा करने में टालमटोल करने लगे। कई बार कहने पर पांच फरवरी 2025 को बैनामा करने की बात तय हुई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, पांच फरवरी को वह परमेश्वर गुप्ता के साथ अरविंद तिवारी के घर पहुंचे। आरोप है कि वहां अरविंद और उनकी पत्नी आरती देवी ने गाली-गलौज की। न तो जमीन का बैनामा किया और न ही रुपये लौटाए। दोबारा घर आने पर जान से मारने की धमकी भी दी। राधाकृष्ण का दावा है कि अधिक कीमत मिलने पर उसी जमीन को किसी दूसरे व्यक्ति के नाम बैनामा करने की बात कही गई। यही नहीं, अरविंद तिवारी ने उसी जमीन को डुमरी गांव निवासी दुर्गेश कुमार को बेचने के नाम पर 4.32 लाख रुपये भी लिए, लेकिन उसे भी जमीन नहीं दी। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पांच फरवरी, 25 मई और 28 जुलाई 2025 को भी इस मामले में सूचना दी थी। उन्होंने पुलिस को रुपये देने से संबंधित रिकॉर्डिंग सुनाने की बात भी कही है। राधाकृष्ण ने पुलिस से अरविंद तिवारी और उनकी पत्नी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि मामले में दंपती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चार्जर नहीं मिला तो लौटाया फोन, अमेजन ने पैसे भी रोके, अब 72 रुपये चुकाने का आदेश

गोरखपुर , एजेंसी। ऑनलाइन शॉपिंग में सामान अधूरा मिलने और रिटर्न के बाद भी रकम वापस नहीं करना अमेजन को भारी पड़ा। वीवो स्मार्टफोन के साथ चार्जर नहीं मिलने पर उपभोक्ता ने फोन लौटा दिया लेकिन कंपनी ने न दूसरा फोन दिया और न ही पैसे वापस किए। मामले में जिला उपभोक्ता आयोग ने अमेजन की सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने 31,999 रुपये पर 10 प्रतिशत साधारण वार्षिक ब्याज के साथ 40 हजार रुपये क्षतिपूर्ति और वाद व्यय देने का आदेश दिया है।

क्यूआर कोड स्कैन करते ही बनेगी ओपीडी पर्ची

100 शैय्या अस्पताल में आभा डिजिटल सेवा

वाराणसी, एजेंसी। अमर शहीद राजा जयलाल सिंह 100 शैय्या संयुक्त जिला चिकित्सालय में ओपीडी पर्ची बनवाने के लिए मरीजों को अब घंटों कतार में खड़े रहने से राहत मिलेगी। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत अस्पताल में आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) डिजिटल सेवा शुरू की गई है। इसके तहत अस्पताल परिसर में जगह-जगह क्यूआर कोड लगाए गए हैं। मरीज या तीमारदार स्मार्टफोन से कोड स्कैन कर जरूरी विवरण दर्ज करेंगे। इसके बाद मोबाइल पर टोकन नंबर जनरेट हो जाएगा। काउंटर पर टोकन नंबर बताकर ओपीडी पर्ची प्राप्त की जा सकेगी। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. दिनेश प्रसाद सिन्हा ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य ओपीडी काउंटर पर भीड़ कम करना और मरीजों के समय की बचत करना है। डिजिटल पंजीकरण से प्रक्रिया आसान और तेज होगी। साथ ही पैथोलॉजी और एक्स-रे जैसी सेवाओं को भी डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने में मदद मिलेगी। सीएमएस डॉ. दिनेश प्रसाद सिन्हा ने लोगों से आभा आईडी बनवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से मरीजों का समय बचेगा और उपचार संबंधी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

बुजुर्गों के लिए भी रहेगी सुविधा

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि डिजिटल व्यवस्था के कारण किसी मरीज को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। आभा आईडी बनाने और क्यूआर कोड से पंजीकरण की प्रक्रिया समझाने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को तैनात किया गया है। जागरूकता के लिए पंपलेट भी लगाए गए हैं। जिन मरीजों के पास स्मार्टफोन नहीं है या जो डिजिटल प्रक्रिया का इस्तेमाल नहीं कर सकते, उनके लिए सामान्य पंजीकरण काउंटर की व्यवस्था जारी रहेगी।

एडीजी भानु भास्कर ने शामली कोतवाली का किया निरीक्षण, त्योहारों को लेकर फ्लैग मार्च

शामली (शिखर समाचार)। आगामी त्योहारों के मद्देनजर मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक भानु भास्कर ने शनिवार को शामली कोतवाली का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बरतने, असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने पुलिस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च कर आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। एडीजी ने कोतवाली में अभिलेखों, हवालात और मालखाने का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उनका त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। त्योहारों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने तथा शांति व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रखने को भी कहा। भानु भास्कर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी से ड्यूटी करें और किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस बल ने शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरकर सुरक्षा व्यवस्था का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला, क्षेत्राधिकारी नगर जितेंद्र यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी और जवान मौजूद रहे।

ऑर्नेट पैलेस में 12 को फीमऑरा फेस्टिव प्रदर्शनी करवा चौथ व दीवाली की शॉपिंग एक छत के नीचे, प्रवेश रहेगा नि:शुल्क

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। फेस्टिव सीजन में खरीदारी के शौकीनों के लिए बड़ी खुशखबरी है। फीमऑरा द्वारा भारतीय वैश्य ग्लोबल फाउंडेशन के सहयोग से 12 अक्टूबर को सेक्टर-10 राजनगर स्थित ऑर्नेट पैलेस में "फीमऑरा फेस्टिव एवं वेडिंग प्रदर्शनी" का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। आयोजकों के अनुसार, "बिग ब्रांड्स अंडर वन रूफ" थीम पर आयोजित यह प्रदर्शनी महिलाओं और पुरुषों के लिए एथनिक वियर, ज्वैलरी, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, होम डेकोर, गिफ्ट्स, बैग्स, फुटवियर और फेस्टिव स्पेशल कलेक्शन का बेहतरीन केंद्र बनेगी। इससे करवा चौथ से लेकर दीवाली तक पूरे परिवार की खरीदारी एक ही स्थान पर हो सकेगी। प्रदर्शनी के माध्यम से स्थानीय महिला व पुरुष उद्यमियों को विशेष मंच भी प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में भारत सरकार के उप महानिदेशक जितेन्द्र गर्ग मुख्य अतिथि तथा संस्कार उपवन के संस्थापक नवनीतप्रिय दास विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस मौके पर सीए डॉ. विनय मित्तल, अखिलेन्द्र गर्ग, सौरभ अग्रवाल और अनुराग अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। आयोजक सीए डॉ. विनय मित्तल ने शहरवासियों से सपरिवार पहुंचकर स्थानीय उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

नवरात्र और दशहरे पर मेरठ परिक्षेत्र में 5 हजार पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा की कमान, 115 संवेदनशील स्थान चिह्नित

मेरठ (शिखर समाचार)। नवरात्र, दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। परिक्षेत्र के मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ जिलों में लगभग पांच हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत 115 संवेदनशील स्थान चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा 24 जोन, 81 सेक्टर और 61 त्वरित प्रतिक्रिया दल गठित किए गए हैं। नवरात्र और दुर्गा पूजा के कार्यक्रम 11 अक्टूबर से शुरू होंगे, जबकि दशहरा 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। पुलिस के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था में सात अपर पुलिस अधीक्षक, 25 क्षेत्राधिकारी, 92 निरीक्षक, 810 उपनिरीक्षक, 1,455 मुख्य आरक्षी, 1,715 आरक्षी, 890 होमगार्ड एवं प्रांतीय रक्षक दल के जवान

तथा प्रांतीय सशस्त्र बल की दो कंपनियां तैनात रहेंगी। चारों जिलों में कुल 390 शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। इनमें मेरठ में 45, बुलंदशहर में 260, बागपत में 35 और हापुड़ में 50 शोभायात्राएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 26 पूजा पंडाल, 27 दुर्गा प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम, 56 कार्यक्रम वाले मंदिर और 44 जागरण एवं पूजा-अर्चना के आयोजन प्रस्तावित हैं। परिक्षेत्र में 114 मेले एवं रामलीला मंचन तथा 112 स्थानों पर रावण दहन होगा। मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने सभी जिला प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि जुलूस मार्गों, पूजा स्थलों, प्रतिमा विसर्जन स्थलों और रावण दहन स्थलों का पहले से निरीक्षण कर विवादों का समय रहते समाधान किया जाए। नई परंपरा की अनुमति न देने, असामाजिक तत्वों पर निरोधात्मक कार्रवाई करने और पिछले पांच वर्षों के विवादों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस को भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, पार्किंग, अवरोधक लगाने और अग्निशमन के पर्याप्त इंतजाम करने को कहा गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित गश्त और फ्लैग मार्च के साथ सीसीटीवी कैमरों तथा ड्रोन से निगरानी की जाएगी। सामाजिक माध्यमों पर अफवाहों और आपत्तिजनक सामग्री पर भी नजर रखी जाएगी। महिला सुरक्षा के लिए रामलीला स्थलों, मेलों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने आयोजकों से सुरक्षा नियमों का पालन करने और आमजन से त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की है।

पनकी और फतेहपुर की कंपनियों ने डंप किया था खतरनाक क्रोमियमयुक्त कचरा

कानपुर। पुरवामीर सहित पांच जगह क्रोमियमयुक्त खतरनाक कचरे की अवैध डंपिंग करने वाली दो कंपनियां की पहचान हो गई है। इन पर कड़ी कार्रवाई न होने पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने राज्य सरकार के अधिकारियों से जवाब मांगा है। एनजीटी ने कहा कि यदि पर्यावरण कानूनों के अलावा अन्य कानूनों के तहत भी कार्रवाई का प्रावधान है तो उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उस पर भी विचार किया जाए। मामले की अगली सुनवाई 21 जनवरी 2027 को होगी। दिल्ली में एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने जाजमऊ टेनरियों से जल प्रदूषण और रनिया, राखी मंडी और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में खतरनाक कचरे की डंपिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के सचिव की ओर से दाखिल हलफनामे में बताया गया कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की पांच सदस्यीय समिति ने कानपुर नगर में पांच स्थानों पर अवैध रूप से डंप किए गए खतरनाक कचरे की पहचान की है। हलफनामे के अनुसार, फतेहपुर के बिंदकी क्षेत्र के रसूलपुर स्थित मेसर्स आशियाना केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को चार स्थानों पर क्रोमियम कचरा डालने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। वहीं, पनकी औद्योगिक क्षेत्र साइट-1 स्थित मेसर्स खन्ना विवेक केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को भौंती बाईपास पर भारत पेट्रोलपंप के पास कचरा डालने के लिए जिम्मेदार बताया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, डंप किए गए 415.94 मीट्रिक टन खतरनाक कचरे को हटाया गया। नमी घटाने के बाद इसकी मात्रा 264.575 मीट्रिक टन बताई गई है। कचरे को कुंभी, अकबरपुर स्थित कॉमन ट्रीटमेंट, स्टोरेज एंड डिस्पोजल फैसिलिटी (टीएसडीएफ) तक पहुंचाकर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया गया। रिपोर्ट में पांचों स्थलों को कचरे से मुक्त बताया गया है। क्रोमियम प्रदूषण से प्रभावित क्षेत्रों में जनवरी से सितंबर 2026 के बीच कानपुर नगर, कानपुर देहात और फतेहपुर में 238 स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इनमें 8035 लोगों की जांच की गई। कानपुर नगर में 80 शिविरों में 3772, कानपुर देहात में 86 शिविरों में 3007 और फतेहपुर में 72 शिविरों में 1256 लोगों की जांच हुई। एनजीटी में दाखिल स्वास्थ्य विभाग के हलफनामे के मुताबिक, विशेषज्ञ समिति ने कहा है कि खून में क्रोमियम का स्तर बढ़ा होने के बावजूद यदि किसी व्यक्ति में विषाक्तता के विशिष्ट लक्षण नहीं हैं तो उसके लिए विशेष उपचार की सिफारिश नहीं की गई है। प्रभावितों के उपचार और आगे की निगरानी के लिए एम्स, नई दिल्ली से विशेषज्ञों की टीम और उपयुक्त प्रोटोकॉल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। एनजीटी को बताया गया कि एम्स की ओर से जवाब अभी नहीं मिला है।

77 साल की उम्र में मांगा जा रहा जन्म का सबूत, गवाह चाहिए 20 साल बड़ा

सहारनपुर, एजेंसी। एक तरफ सरकार वरिष्ठ नागरिकों को तमाम सुविधाएं देने का दावा कर रही है, तो दूसरी तरफ वह नियमों के मकड़जाल में उलझ रहे हैं। जिस उम्र में बुजुर्गों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर से राहत मिलनी चाहिए, उस उम्र में उनसे जन्म साबित करने के लिए ऐसे गवाह मांगे जा रहे हैं, जो उनसे 20 साल बड़े हों। सवाल यह है कि 70-77 साल के बुजुर्ग आखिर अपने से 20 साल बड़ी उम्र के गवाह कहां से लाएंगे। किसी के पुश्तैनी घर या आसपास कोई गवाही देने वाला नहीं है। नतीजा यह कि जन्म प्रमाणपत्र अटके हुए हैं। प्रमाण जुटाने की प्रक्रिया ही उनके लिए सबसे बड़ी बाधा बन गई है।

केस:1 – बापूजी नगर निवासी 70 वर्षीय मुनेश देवी का पासपोर्ट बनना है। इसके लिए जन्म प्रमाणपत्र मांगा गया है। जब वह जन्म प्रमाणपत्र के लिए नगर निगम के संबंधित कार्यालय पहुंचीं तो वहां उनसे 20 साल बड़े गवाह के शपथ पत्र मांगे गए, जो वहां के रहने वाले हों, जहां वह पैदा हुई थीं। मुनेश का मायका नानौता में है। वहां उनसे 20 साल बड़ा कोई व्यक्ति नहीं है, जिससे गवाह के तौर पर शपथ पत्र लिया जा सके। इसकी वजह से उनको भटकना पड़ रहा है।

केस:2 – खाताखेड़ी निवासी 77 वर्षीय मरगूब को भी किसी काम के लिए जन्म प्रमाणपत्र चाहिए। वह संबंधित जोनल ऑफिस पहुंचे। कर्मचारी ने बताया कि प्रमाणपत्र सिविल कोर्ट से बनेगा। दस्तावेज के तौर पर 20 साल बड़े गवाह का शपथ पत्र लगेगा। उनके पुत्र शाहिद ने बताया कि चिलकाना स्थित उनके पैतृक घर के आसपास उनके वालिद से 20 वर्ष बड़ा कोई व्यक्ति नहीं बचा है, जिससे शपथ पत्र लिया जा सके। ऐसे में वह परेशान हैं।

एक अक्तूबर 2026 से लागू नए नियम – दो साल से अधिक पुराने जन्म प्रमाणपत्र के लिए सीधे नगर निगम या नगर पालिका से आवेदन नहीं किया जा सकता। इसके लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वकील के माध्यम से वाद दायर करना होगा। सिविल कोर्ट से जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए सबसे पहले संबंधित नगर निगम, नगर पालिका या ग्राम पंचायत कार्यालय में जाना होगा। वहां आवेदन करने से यह प्रमाणित होगा कि सरकारी रिकॉर्ड में जन्म प्रमाणपत्र पहले नहीं बना है। जांच के बाद संबंधित निकाय अनुपलब्धता प्रमाणपत्र देगा।

नवरात्रि और दशहरा पर्व को लेकर हापुड़ में फ्लैग मार्च, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी शारदीय नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च पक्का बाग से शुरू होकर बुलंदशहर रोड स्थित मां मनसा देवी मंदिर तक निकाला गया। इस दौरान अधिकारियों ने मार्ग में पड़ने वाले दुर्गा पूजा पंडालों, दशहरा मेला स्थलों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पूजा पंडालों और दशहरा मेला स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए

जाएं और उनकी निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। त्योहारों के दौरान श्रद्धालुओं और आम लोगों की आवाजाही सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा आवश्यकतानुसार मार्ग परिवर्तन और पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ सूचनाएं फैलाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा। साथ ही आमजन से अपील की गई कि नवरात्रि और दशहरा पर्व को आपसी सौहार्द, शांति और भाईचारे के साथ मनाएं तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें।

जिलाधिकारी की पहल पर छह साल बाद विधवा महिला को मिला मकान पर कब्जा, वर्षों की परेशानी दूर

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मोदीनगर निवासी विधवा महिला अंजली को छह साल की लंबी परेशानी के बाद आखिरकार अपने मकान पर कब्जा मिल गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देश पर प्रशासन ने मामले की जांच कराते हुए महिला को उसके मकान पर अधिकार दिलाया। कब्जा मिलने के बाद अंजली ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृष्णा नगर, गली नंबर-दो, मोदीनगर निवासी अंजली पत्नी स्वर्गीय अशोक कुमार ने बताया कि उनके पति का वर्ष 2015 में निधन हो गया था। वह अपने पीछे पत्नी और चार बच्चों को छोड़ गए थे। अंजली के अनुसार, वर्ष 2020 में उनके जेठ ने मकान में शौचालय और स्नानघर बनवाने की बात

कहकर उन्हें कुछ समय के लिए घर से भेज दिया था। जब वह बच्चों के साथ वापस लौटीं तो उन्हें मकान में प्रवेश और कब्जा नहीं लेने दिया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस चौकी, थाने और संबंधित अधिकारियों के चक्कर लगाए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सितंबर में अंजली ने जिलाधिकारी के समक्ष जनसुनवाई के दौरान अपनी शिकायत रखी। जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित अधिकारियों ने मामले की जांच की, महिला से पूछताछ की और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। इसके बाद प्रशासन ने उन्हें मकान पर कब्जा दिलाया।

अंजली ने भावुक होकर कहा कि जिलाधिकारी ने उनकी समस्या को गंभीरता से सुना और उन्हें राहत दिलाई। उन्होंने जिलाधिकारी को गरीबों और जरूरतमंदों का सहारा बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया। उनका कहना था कि संवेदनशील प्रशासनिक पहल से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद पूरी हुई है। मकान पर कब्जा दिलाने के दौरान उपजिलाधिकारी सदर अजीत कुमार सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद, तहसीलदार और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शामली के हनुमान महालक्ष्मी मंदिर में हवन-यज्ञ और भंडारे का आयोजन, हर अमावस्या पर होगा धार्मिक अनुष्ठान

शामली (शिखर समाचार)। अग्रसेन पार्क स्थित हनुमान महालक्ष्मी मंदिर में पितृ विसर्जनी अमावस्या के अवसर पर हवन-यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने किया। इस दौरान समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं ने यज्ञ में पूर्णाहुति देकर परिवार तथा समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि अरविंद संगल ने महाराजा अग्रसेन को माल्यार्पण कर नमन करने के साथ की। इसके बाद पंडित के सानिध्य में विधि-विधान से हवन-यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ के पश्चात अरविंद संगल ने भंडारे का शुभारंभ किया और अपने हाथों से श्रद्धालुओं को भोजन प्रसाद वितरित किया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने धार्मिक आयोजन में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। समिति ने निर्णय लिया कि मंदिर में प्रत्येक माह अमावस्या के अवसर पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। समिति के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाना और समाज में श्रद्धा, सद्भाव तथा आपसी एकता की भावना को मजबूत करना है। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष पवन संगल ठेकेदार, प्रदीप मंगल, सतपाल मलिक, जिला संघचालक देशपाल मलिक, नंदकिशोर संगल, शंकर चौहान, मनीष गर्ग, देवेंद्र, अजय गर्ग, मुकेश वर्मा, मनीष मित्तल, सतबीर शर्मा, मनीष भटनागर, सनी मंगल, अनिल मंगल, अंकुर गोयल, डॉ. अर्जुन वर्मा, पवन गर्ग, खुशीराम अरोड़ा, संजीव शर्मा और सुभाष शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

रूस में नौकरी दिलाने के नाम पर 1.20 लाख रुपये और पासपोर्ट हड़पे, फर्जी ट्रैवल एजेंट गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। रूस में नौकरी दिलाने का झांसा देकर दो युवकों से 1.20 लाख रुपये और उनके मूल पासपोर्ट हड़पने के आरोप में अफजलगढ़ पुलिस ने एक कथित फर्जी ट्रैवल एजेंट को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि विदेश नहीं भेज पाने पर रुपये और पासपोर्ट वापस मांगने पर आरोपी ने युवकों को जान से मारने की धमकी दी और उन्हें गुमराह करने के लिए फर्जी वीजा भी तैयार कराए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गौतम राय के अनुसार, अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बुडेरन निवासी जुल्फकार पुत्र इकबाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम जिकरीवाला निवासी नाजिम अली पुत्र शौकत ने उसे और उसके दोस्त फैसल को रूस में अच्छी नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। उसकी बातों में आकर दोनों ने आरोपी को कुल 1.20 लाख रुपये और अपने मूल पासपोर्ट सौंप दिए। निर्धारित समय बीतने के बाद भी जब उन्हें विदेश नहीं भेजा गया, तो उन्होंने रुपये और पासपोर्ट वापस मांगे। आरोप है कि इस पर आरोपी टालमटोल करने लगा और धमकी देने लगा। बाद में उसने दोनों को गुमराह करने के लिए फर्जी वीजा उपलब्ध करा दिए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी नाजिम अली को गिरफ्तार कर लिया। जांच के दौरान फर्जी दस्तावेज तैयार करने से संबंधित साक्ष्य मिलने पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 338 और 336(3) भी बढ़ाई गई हैं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने ठगी के 1.20 लाख रुपये मकान बनाने में खर्च करने की बात स्वीकार की है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

शारदीय नवरात्र से पहले मां चामुंडा देवी धाम की भव्य शोभायात्रा निकली, जगह-जगह हुआ स्वागत

बिजनौर (शिखर समाचार)। शारदीय नवरात्र से पूर्व शनिवार को मां चामुंडा देवी धाम मंदिर की ओर से शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर परिसर से शुरू हुई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मंदिर समिति के अध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, मंत्री अशोक कुमार अग्रवाल और अन्य सदस्यों के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शोभायात्रा में शामिल वाहनों को कलशों से सजाया गया था। बैंड-बाजों पर बजती धार्मिक धुनों से वातावरण भक्तिमय हो गया। शोभायात्रा के अंतिम वाहन पर मां चामुंडा देवी की प्रतिमा विराजमान थी। इस दौरान लालमन और समिति के अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। नगर के विभिन्न स्थानों पर लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत कर मां के दर्शन किए। सिविल लाइंस क्षेत्र में रोहित होटल के समीप उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के प्रबंधक राजीव कुमार शर्मा और संजीव कुमार शर्मा ने शोभायात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप चाय और बिस्कुट वितरित किए गए। प्रसाद वितरण में बबीता शर्मा, पप्पू चाय वाला सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया। धार्मिक आस्था और उत्साह के बीच निकली शोभायात्रा से शहर का माहौल भक्तिमय बना रहा।

जेसीबी छीनने के मामले में 6 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज पिस्तौल के बल पर मारपीट और जान से मारने की धमकी, कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड स्थित आरपी फर्म से हथियारबंद अज्ञात बदमाशों द्वारा जेसीबी मशीन छीनकर ले जाने के मामले में न्यायालय के आदेश पर 6 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि रूपवास गांव निवासी ऋषिपाल ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार, उनकी 'डीएसआर कंस्ट्रक्शन' नाम से जेसीबी मशीन है। गत 21 अगस्त की दोपहर चालक अनिल कुमार ने फोन कर सूचना दी कि जीटी रोड स्थित आरपी फर्म के पास कुछ अज्ञात लोग उनके साथ मारपीट कर जबरन जेसीबी छीनने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना पर पहुंचे मालिक और चालक ने पीछा किया तो पाया कि दो लोग जेसीबी में सवार थे और दो बाइकों पर सवार 4 लोग हाथों में पिस्तौल लेकर चल रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित पक्ष के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। स्थानीय पुलिस द्वारा कार्रवाई न करने पर पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद कोर्ट के निर्देश पर 6 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

रबूपुरा-झाझर मार्ग पर कार की टक्कर से दो सगे भाई गंभीर घायल, मेरठ रेफर

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा-झाझर मार्ग पर ड्यूटी से लौट रहे बाइक सवार दो सगे भाइयों को सामने से आई कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए पहले बुलंदशहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र के गांव बीरमपुर निवासी रामवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 सितंबर को रात करीब 11 बजे उनके बेटे योगेश और संजू क्षेत्र स्थित एक निजी कंपनी में ड्यूटी समाप्त करने के बाद बाइक से अपनी बुआ के घर गांव महमदपुर जा रहे थे। जब वे रबूपुरा-झाझर मार्ग पर गांव महमदपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही वेगनआर कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।

सेंट जोसेफ विद्यालय में एसजेएस टैलेंसिया-2026 का शुभारंभ, 15 विद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर अल्फा-1 स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय में शनिवार को एसजेएस टैलेंसिया-2026 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मेघा रूपम ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में ग्रेटर नोएडा, नोएडा, गाजियाबाद, हाथरस, अलीगढ़ और आगरा सहित विभिन्न क्षेत्रों के 15 विद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने आठ स्पधाओं में प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में बड़े सपने देखने के साथ स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें हासिल करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से निरंतर परिश्रम करना जरूरी है। आत्मविश्वास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प सफलता की आधारशिला हैं। असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भाग लेने को भी महत्वपूर्ण बताया। इससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और प्रबंधन कौशल विकसित होते हैं। उन्होंने मैकबेथ पर आधारित वाद-विवाद को विद्यार्थियों की मौलिक सोच का उदाहरण बताते हुए आयोजन टीम की सराहना की।

जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से कठिन परिस्थितियों में परिवार, शिक्षकों और मित्रों का सहयोग लेने तथा धैर्य के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए जरूरतमंदों की सहायता करने और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा दी। प्रतियोगिता में समूह गान में अर्सलाइन कॉन्वेंट विद्यालय, ग्रेटर नोएडा प्रथम रहा। फोटोग्राफी में दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा और वीडियोग्राफी में सेंट फिदेलिस विद्यालय, अलीगढ़ ने पहला स्थान प्राप्त किया। कला प्रतियोगिता में सेंट फिदेलिस विद्यालय, अलीगढ़, तालमेल आधारित स्पर्धा में सेंट डोमिनिक विद्यालय, मथुरा तथा विज्ञान प्रतियोगिता और मोबाइल फोन प्रयोग संबंधी स्पर्धा में जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट विद्यालय, ग्रेटर नोएडा प्रथम रहा। सर्वश्रेष्ठ समूह चयन प्रतियोगिता में समरविल विद्यालय, ग्रेटर नोएडा ने बाजी मारी।

कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्य फादर जिप्सन पलाटी के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया, फादर सबस्टिन, सौरभ कुमार शर्मा, शशि शर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जेवर में 62वें नवरात्रि मेले में विशाल महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ, विजेता टीम को मिलेंगे 51 हजार रुपये

जेवर (शिखर समाचार)। श्री दुर्गा मंदिर में आयोजित 62वें नवरात्रि मेले के अंतर्गत शनिवार को विशाल महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में दूर-दराज के क्षेत्रों से आई लगभग दो दर्जन टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्घाटन आयोजक सौरव माहेश्वरी और गौरव माहेश्वरी, नगर पंचायत जेवर के चेयरमैन नारायण माहेश्वरी के पुत्रों, तथा मुख्य अतिथि डॉ. चिराग अग्रवाल ने विधिवत रूप से किया। इस दौरान मंदिर परिसर में उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

प्रतियोगिता का उद्देश्य बेटियों की खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करना और महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। पवित्र मंदिर परिसर में बालिकाओं के कबड्डी कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहा। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि 62वां नवरात्रि मेला धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। मेले में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियां लोगों को परंपराओं से जोड़ने के साथ सामाजिक सहभागिता को भी बढ़ावा देती हैं।

समिति के महासचिव सुभाष चंद गर्ग ने बताया कि महिला कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल 11 अक्टूबर को होगा। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, द्वितीय स्थान वाली टीम को 31 हजार रुपये और ट्रॉफी, तृतीय टीम को 6,100 रुपये तथा चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 5,100 रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कुलदीप पंडित, अनिल गोयल, मेला अध्यक्ष बंटी सिंघल, कपिल शर्मा एडवोकेट, राजेश पंडित, कोषाध्यक्ष दीपू जैन, जितेंद्र शर्मा, विनोद मिश्रा, बृजमोहन शर्मा, उपेंद्र शर्मा, दीपक शर्मा, संजय माहेश्वरी, जयभगवान शर्मा, योगी शर्मा, सचिन अग्रवाल, सुनील शर्मा, पंकज शर्मा, अजय राज शर्मा, शीशपाल, बहादुर शर्मा, मनोज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, विजय वशिष्ठ, देवेंद्र गोयल, विशाल शर्मा एडवोकेट, छत्रपाल शर्मा, संदीप तायल, गौरव शर्मा, राहुल शर्मा और विकास सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कांधला के हिंदू इंटर कॉलेज में बैंक्वेट हॉल बंद कराने के आदेश, छात्र सुरक्षा को लेकर शिक्षा विभाग सख्त

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कांधला स्थित हिंदू इंटर कॉलेज परिसर में संचालित बताए जा रहे बैंक्वेट हॉल को तत्काल प्रभाव से बंद कराने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक शामली ने कॉलेज प्रबंधक को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित अनुमति से संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में छात्रहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बैंक्वेट हॉल का संचालन बंद कराया जाए। साथ ही कार्रवाई की रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत करने और स्थानीय पुलिस के सहयोग से हॉल को सील कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से 6 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार, बैंक्वेट हॉल के संचालन को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं। ग्राम घसौली निवासी सुनील कुमार ने लोकायुक्त उत्तर प्रदेश के समक्ष शिकायत की थी। इसके अलावा कांधला निवासी अमित कटारिया और ग्राम कुड़ाना निवासी जयवीर ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा जनसुनवाई पोर्टल के

माध्यम से शिकायतें दर्ज कराई थीं। शिकायतों के आधार पर विभाग ने संबंधित पक्षों से अभिलेख मांगे और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की। पत्र में विद्यालय परिसर में बैंक्वेट हॉल संचालित होने की बात सामने आने का उल्लेख है। दूसरी ओर, कॉलेज प्रबंधक ने अलग-अलग पत्रों में दावा किया कि जिस भूमि पर बैंक्वेट हॉल संचालित बताया जा रहा है, वह विद्यालय की भूमि नहीं है और प्रबंध समिति ने उसे किराये पर भी नहीं दिया है। प्रबंधक ने विद्यालय परिसर अथवा हरिजन छात्रावास में बैंक्वेट हॉल संचालित होने से भी इनकार किया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने इन बयानों को परस्पर विरोधाभासी बताते हुए आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराने पर आपत्ति जताई है। प्रकरण में इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका संख्या 24891/2026 दाखिल होने के बाद 2 जुलाई और संशोधित 14 जुलाई 2026 के आदेशों के अनुपालन में विभाग ने दोबारा सुनवाई की और वर्ष 2023 से बैंक्वेट हॉल के संचालन से संबंधित पत्रावली मांगी। शासनादेश के प्रावधानों का हवाला देते हुए विभाग ने छात्रहित और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही है। आदेश की प्रतिलिपि जिलाधिकारी शामली, उप जिलाधिकारी कैराना और थाना कांधला सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

अवैध कचरा डंपिंग पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सख्त, एम्स गोल्ड होम पर 40,400 रुपये का जुमार्ना

सुलगते कूड़े से मिले साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई, खाली प्लॉट में बागवानी का कचरा डालने पर डंपर जब्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा में कचरे का उचित प्रबंधन नहीं करने और अवैध स्थानों पर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ प्राधिकरण ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी क्रम में सेक्टर-4 स्थित एम्स गोल्ड होम सोसाइटी पर 40,400 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, खाली भूखंड में बागवानी का कचरा डालने पर एक डंपर जब्त कर 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के एक अवैध कचरा डालने के स्थल पर कूड़े से धुआं उठने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर दमकल विभाग की सहायता से आग बुझवाई। इसके बाद कूड़े से मिले साक्ष्यों के आधार पर स्वास्थ्य विभाग के सहायक प्रबंधक गौरव बघेल के नेतृत्व में टीम ने एम्स गोल्ड होम सोसाइटी पहुंचकर जांच की। प्राधिकरण के अनुसार, बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में आने के बावजूद सोसाइटी ठोस कचरे का उचित प्रबंधन नहीं कर रही थी और कचरा अवैध स्थल पर डाला जा रहा था। इसी आधार पर सोसाइटी पर जुमार्ना लगाया गया। दूसरी कार्रवाई में स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक आरके भारती ने अपनी टीम के साथ सेक्टर पाई-1 और पाई-2 की संपर्क सड़क पर 130 मीटर सड़क के पास एक डंपर पकड़ा। डंपर में भरा बागवानी का कचरा पास के खाली भूखंड में डाला जा रहा था। टीम ने डंपर जब्त कर 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने बड़े कचरा उत्पादकों से नियमानुसार कचरे का प्रबंधन करने की अपील की। उन्होंने शहरवासियों से भी ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने का आग्रह किया। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि कचरे का अनुचित निस्तारण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

कैकेयी-दशरथ संवाद व श्रीराम वनवास का भावपूर्ण मंचन मुरादनगर में कलाकारों के सजीव अभिनय से भावुक हुए दर्शक

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के तत्वावधान में टंकी रोड पर आयोजित रामलीला महोत्सव में कैकेयी-मंथरा संवाद, दशरथ-कैकेयी संवाद तथा श्रीराम वनवास लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया।

लीला के दौरान मंथरा द्वारा उकसाए जाने पर रानी कैकेयी कोप भवन में चली जाती हैं। राजा दशरथ के मनाने पर वह अपने पूर्व के दो वरदानों में भरत के लिए राजगद्दी और श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगती हैं। कैकेयी की इस कठोर मांग से स्तब्ध राजा दशरथ भावुक होकर विनती करते हैं, लेकिन कैकेयी अपनी जिद पर अड़ी रहती हैं। पिता के वचन की मयार्दा रखने के लिए श्रीराम सहर्ष वन जाने का निर्णय लेते हैं और माता सीता व लक्ष्मण भी उनके साथ वनगमन करते हैं। इस अवसर पर बुद्ध प्रकाश गोयल, सुशील गोयल, विनोद धनगर, महेश चंद गोयल, सुभाष चंद्र गर्ग, रघुनंदन रस्तोगी, संजीव राजपूत, सुरेश पहलवान, वृंदुल गुप्ता, प्रखर गोयल व भूषण गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हापुड़ के नए एसपी मधुवन कुमार सिंह ने संभाला कार्यभार, अपराध नियंत्रण और साइबर ठगी पर रहेगा जोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। पुलिस लाइन में पहुंचने पर पुलिस गार्द ने उन्हें सलामी दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की कानून-व्यवस्था और अपराध की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

कार्यभार संभालने के बाद एसपी मधुवन कुमार सिंह ने कहा कि आमजन को सुरक्षा प्रदान करना और भयमुक्त समाज की स्थापना उनकी प्राथमिकता है। किसी को भी कानून हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी। शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि थानों और पुलिस कार्यालयों में आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत गंभीरता से सुनी जाएगी और उसका समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में प्रभावी कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना भी प्राथमिकता में रहेगा। जनता में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए पैदल गश्त बढ़ाने और पुलिस तथा आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जाएगा। एसपी ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल होने के कारण हापुड़ में साइबर अपराधों से निपटना भी महत्वपूर्ण है। साइबर ठगी पर अंकुश लगाने और लोगों को इससे बचाने के लिए योजना बनाकर काम किया जाएगा। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक महेश कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर दीपक चतुर्वेदी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

बीपी इम्पेक्स कंपनी में महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर आंतरिक समिति की बैठक, यौन उत्पीड़न कानून की दी जानकारी

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 के संबंध में नोएडा स्थित बीपी इम्पेक्स कंपनी में आंतरिक शिकायत समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन की प्रतिनिधि रीचा कंचन ने कंपनी के महिला और पुरुष कर्मचारियों को कानून के प्रावधानों, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया और समिति की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायत होने पर महिला कर्मचारी घटना की तारीख से तीन माह के भीतर आंतरिक शिकायत समिति को लिखित शिकायत दे सकती है। समिति का दायित्व है कि शिकायत प्राप्त होने पर आवश्यक बैठक बुलाकर उसमें उल्लिखित तथ्यों की जांच करे और नियमानुसार समाधान की प्रक्रिया अपनाए। यदि

समिति के स्तर पर शिकायत का समाधान नहीं हो पाता है, तो नियमानुसार प्रबंधन के सक्षम अधिकारियों के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन और उसका प्रभावी संचालन महत्वपूर्ण है। शिकायतों के निस्तारण तथा समिति की बैठकों से संबंधित वार्षिक विवरण निर्धारित नियमों के अनुसार संबंधित जिला अधिकारी के कार्यालय में जमा करना आवश्यक है। इसके साथ ही महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के शी-बॉक्स पोर्टल पर प्रतिष्ठान का पंजीकरण कराने और संबंधित विवरण अपलोड करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। बैठक में कर्मचारियों को जागरूक करते हुए कहा गया कि कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभावमुक्त वातावरण बनाए रखना संस्थान की जिम्मेदारी है। कर्मचारियों को किसी भी शिकायत की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया अपनाने और समिति से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

संपादकीय

लोकतंत्र की असली ताकत सवालों से है, सड़कों पर खामोशी से नहीं

दिल्ली के कनॉट प्लेस में प्रदर्शन के लिए पहुंचे लोगों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया जाना केवल कानून व्यवस्था से जुड़ी एक घटना नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र में असहमति, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही पर गंभीर विमर्श का अवसर भी है। 10 अक्टूबर 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आह्वान पर प्रस्तावित प्रदर्शन ने राजधानी की राजनीति को गर्मा दिया। प्रदर्शनकारी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। उनकी आपत्तियों का केंद्र मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया और उससे जुड़े कथित अनियमितताओं के आरोप हैं। पुलिस ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और कनॉट प्लेस सहित विभिन्न स्थानों पर जुटने की कोशिश कर रहे लोगों को हिरासत में लिया। सीजेपी के प्रमुख अभिजीत दीप्तके और उनके सहयोगियों को भी हिरासत में लिए जाने की खबर सामने आई। राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई, कई मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास पर रोक लगी तथा यातायात और सार्वजनिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध की सीमा कौन तय करेगा और नागरिकों की आवाज सुनने की जिम्मेदारी किसकी है।

भारत का लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं है। उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि यहां सत्ता से सवाल पूछने वालों, नीतियों से असहमत लोगों और संस्थाओं के निर्णयों पर आपत्ति जताने वाले नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार हैं, लेकिन चुनाव की विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा उसकी आत्मा है। यदि किसी नागरिक को यह संदेह हो कि मतदाता सूची में उसका नाम गलत तरीके से हटाया गया है या किसी पात्र मतदाता का अधिकार प्रभावित हुआ है, तो उस संदेह का समाधान करना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। इसी तरह यदि कोई राजनीतिक संगठन निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाता है, तो उसके आरोपों की जांच तथ्यों, दस्तावेजों और निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं के आधार पर होनी चाहिए। आरोप लगना अपने आप में किसी संस्था के दोषी होने का प्रमाण नहीं है, लेकिन आरोपों को केवल राजनीतिक शोर बताकर खारिज कर देना भी उचित लोकतांत्रिक दृष्टिकोण नहीं कहा जा सकता। मतदाता सूची का शुद्धिकरण आवश्यक है। फर्जी नाम, मृत व्यक्तियों के नाम पर दर्ज प्रविष्टियां, दोहरी प्रविष्टियां और गलत पते चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। दूसरी ओर, वास्तविक मतदाताओं के नाम छूट जाना भी उतनी ही गंभीर समस्या है। किसी नागरिक के लिए मतदान का अधिकार केवल एक औपचारिक सुविधा नहीं, बल्कि शासन चुनने में उसकी भागीदारी का माध्यम है। इसलिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता, स्पष्ट मानदंड, समय पर सूचना और शिकायतों के निपटारे की प्रभावी व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। प्रशासनिक सुविधा के नाम पर किसी पात्र मतदाता को अपने अधिकार से वंचित नहीं होना चाहिए। यदि किसी बड़े पुनरीक्षण के दौरान नामों में व्यापक बदलाव होते हैं, तो निर्वाचन आयोग को उनके कारणों और प्रक्रिया की पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि आशंकाओं का समाधान हो सके और राजनीतिक आरोपों की जगह प्रमाण आधारित चर्चा आगे बढ़े।

निर्वाचन आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की स्वतंत्रता और निष्पक्षता लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इस संस्था को राजनीतिक दबाव से मुक्त रहकर काम करना चाहिए और उसके प्रत्येक निर्णय में निष्पक्षता दिखाई भी देनी चाहिए। केवल निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, बल्कि जनता को निष्पक्षता का भरोसा होना भी जरूरी है। आयोग के निर्णयों पर सवाल उठें तो उचित मंचों पर उनका उत्तर देना, नियमों की व्याख्या करना और शिकायतों की जांच कराना संस्थागत विश्वास को मजबूत करता है। वहीं राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी है कि वे बिना पर्याप्त प्रमाण के किसी अधिकारी या संस्था पर अंतिम निष्कर्ष न थोपें। लोकतंत्र में आलोचना का अधिकार है, लेकिन आलोचना और तथ्यहीन आरोपों के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

~ मौलिक चिंतन ~

समस्या का समाधान चिन्ता से नहीं, चिंतन से निकलता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©

विनय संकोची

नवरात्र पर घर घर मे होती है साझी पूजा

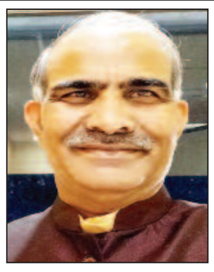

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

नवरात्र का पर्व देवी पूजा के विभिन्न रूपो की साधना का अवसर है। जिसमे आस्था, लोकसंस्कृति, शिल्प कला और बच्चों में कलात्मक गुणों का समावेश करने की पुरातन परम्परा है।इन्ही में से एक है,नवरात्र पर देवी रूप में सांझी की स्थापना और फिर पूरे नवरात्र सांझी की लोकगीतों के साथ पूजा।स्तुति रूपी इन लोकगीतों में, लिल्ली धोडी रे कौन फिरे सवार, मै था दुलीचन्द बोबो हे, सांझी का लेवणहार। बोबो थोडा पिला दे हे तेरा बीर प्यासा जाए। नवरात्रों पर हर घर में यह लोकगीत पुराने समय से गाया जाता है।सांझी की आरती के रूप में सुबह शाम गाये जाने वाले इस लोग गीत में कही न कही एक संदेश है,साथ ही भारतीय संस्कृति की अनूठी झलक भी इस गीत में देखने को मिलती है। श्राद्ध के अन्तिम दिन अमावस्या को देवी रूप में मिटटी से बनी मां सांझी को प्रतिष्ठित कर मां सांझी की पूरे नवरात्रों तक पूजा अर्चना की जाती है। पहले गांव हो या शहर, घर लडकियां कच्ची मिटटी से नई नई डिजाईन व नये नये साज श्रंगार के साथ सांझी तैयार करती थी। सांझी के साथ चांद तारे से लेकर कई आकृतियां सजाई जाती थी। जो शिल्पकला का अदभुत नमूना होता है।

श्राद्ध पक्ष आते ही सांझी बनाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और नवरात्र से एक दिन पहले गोबर से चिपकाकर दिवारों पर सांझी लगाई जाती है।समय के साथ सांझी भी हाईटेक हो गई है। अब सांझी घरो में बनाने के बजाए बाजार से खरीदकर लगाई जाती है।एक सांझी 100 रुपए से 500 रुपए तक आसानी से मिल जाती है। ऐसे में सांझी को घर में बनाने की परम्परा अब खत्म प्रायः हो गई है।जिससे घर की लडकियां सांझी बनाने की शिल्पकला से वंचित हो गई है। एक बोध कथा के अनुसार, सांझी एक गरीब परिवार में जन्मी एक ऐसी लडकी थी, जिसे ससुराल भी गरीब ही मिली।

ससुराल में सांझी को कई झूठे इल्जाम और ताने सहन करने पडतें थे। यानि सांझी को ससुराल में प्रताडित किया गया। सांझी को मायके लिवाने जब उसका भाई दुलीचन्द उसकी ससुराल आया तो उससे सांझी की पीडा देखी नही गई। हद तो तब हो गई जब ससुराल वालों ने सांझी को उसके भाई के साथ भेजने से इंकार कर दिया।सांझी जिद पर अड गई और भाई दुलीचन्द के साथ मायके चली गई। जहां पहुंचने पर सांझी की आरती उतारकर पूरे गांव ने स्वागत किया। सांझी के मायके में स्वागत के दौरान चना जिसे चाब कहा जाता है,का प्रसाद बाटा गया । तभी से यह पर्व मनाने और पर्व पर चाब के रूप में भीगे हुए चने बांटने की परम्परा है।

राधा बल्लभ संप्रदाय के अनुयायी सांझी को राधा कृष्ण की प्रेम भक्ति के रूप व्याख्यायित करते है तो कही कही सांझी की पूजा 16 दिनों तक किये जाने की भी परम्परा है। लोक कथाओं के साथ साथ लोक गीतों में कालजयी सांझी की कथा सहज ही समझ में आ जाती है। सांझी की आरती सुबह शाम करते समय प्रार्थना के रूप में जो लोक गीत गाए जाते है उन लोक गीतो की एक बानगी देखिए, चाब दे री चाब दे सांझी की मां चाब दे , तेरी सांझी जीवे चाब दे । इसी तरह आरता री आरता सांझी मां आरता । गाकर सांझी मां की पूजा की जाती है।

इसी सांझी मां की प्रतिमा के सामने सांझी स्थापना के अगले दिन कच्ची मिटटी में जौ बोये जाते है। प्रतिदिन सुबह शाम सांझी को स्नान कराते समय व भोग लगाते समय इन बोये गए जौ में नियमित पानी छिडकने से जौ अकुंरित होकर पौधा बनने लगता है जिसे नोरते कहते है। चूंकि दशहरे तक ये नोरते काफी बडे हो जाते है इस लिए इन्ही नोरतों से दशहरे की पूजाकर कर बहने अपने भाईयों के कानो पर नोरते रखकर उनकी दिधार्यु की कामना करती है और बदले में भाई अपनी बहन को सोगात देता है। हांलाकि सांझी प्रतिमा को दशहरे से एक दिन पूर्व ही श्राद्धाभाव से उतारकर किसी दरिया में विर्सजित कर दिया जाता है।घर की लडकिया सांझी प्रतिमा को विर्सजित करते समय उदास भी होती है क्योंकि उन्होने सांझी की प्रतिमा को बडे परिश्रम व उत्साह से बनाया था। परन्तु उन्हे यह ढांढस बंधाकर कि अगले साल फिर सांझी मां आएगी और उन्हे फिर से सांझी की एक अच्छी सी प्रतिमा बनाने का अवसर मिलेगा, लडकियों को मना लिया जाता है।सचमुच लडकियों में सांझी बनाने के नाम पर उनकी शिल्पकला प्रर्दशित करने का नवरात्र एक अच्छा अवसर है। जिसमें कन्या की पूजा के साथ ही स्त्री शक्ति सम्मान के रूप में मां दुर्गा का भावपूर्ण स्मरण किया जाता हैऔर श्रद्धालु पूरे नवरात्र उपवास रखकर मां सांझी व मां दुर्गा की पूजा अर्चना करते है। साथ ही नन्ही मुन्नी बच्चियों को भोजन कराकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। है न भारतीय संस्कृति की यह अनूठी परम्परा ,जहां आधी दुनिया यानि स्त्री जाति के सम्मान का एक बडा अवसर है। शास्त्रों में भी उल्लेख मिलता है कि जहां नारी का सम्मान होता है वहां ईश्वर वास करते है और जहां ईश्वर वास करते है वह स्थान स्वर्ग बन जाता है।तो आइए इस धरा को भी स्वर्ग बनाए कन्या भ्रूण हत्या होने न दे,बेटी के जन्म पर फक्र करे और उन्हें बेटो के समान पोषण व संरक्षण दे।तभी नवरात्र की सार्थकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बेटियों को बचपन, अधिकार और उड़ान देने का समय

श्वेता गोयल

बाल विवाह मिटेगा, तभी बेटियों का भविष्य खिलेगा...

किसी समाज की प्रगति का वास्तविक आकलन उसकी ऊंची इमारतों, आर्थिक समृद्धि अथवा तकनीकी उपलब्धियों से ही नहीं, इस बात से भी होता है कि वहां जन्म लेने वाली प्रत्येक लड़की को अपने सपने चुनने, उन्हें पूरा करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है। विडंबना है कि 21वीं सदी में विज्ञान और तकनीक नई ऊंचाइयां छू रहे हैं, महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं लेकिन दुनिया के अनेक हिस्सों में लाखों लड़कियों का बचपन आज भी बाल विवाह जैसी कुप्रथा की भेंट चढ़ रहा है। उनके हाथों में किताबों के बजाय घरेलू जिम्मेदारियां थमा दी जाती हैं और उनके सपनों को सामाजिक परंपराओं की दुहाई देकर समय से पहले कुचल दिया जाता है। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं बल्कि उस व्यवस्था से सवाल करने का दिन है, जो लड़की के जन्म से ही उसके भविष्य की सीमाएं निर्धारित करने लगती है।

प्रतिवर्ष 11 अक्तूबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को प्रस्ताव 66/170 के माध्यम से की थी। वर्ष 2012 में पहली बार इस दिवस का आयोजन हुआ। वर्ष 2026 का विषय है 'बाल विवाह समाप्त करो और लड़कियों के अधिकारों में निवेश करो!' यह संदेश स्पष्ट करता है कि बालिकाओं के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान केवल कानून बनाने अथवा जागरूकता अभियान चलाने से नहीं होगा। इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, कौशल विकास और आर्थिक स्वतंत्रता में निरंतर निवेश करना होगा। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ ने इस वर्ष लड़कियों की आवाज, नेतृत्व तथा अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने के अधिकार को विशेष महत्व दिया है। बाल विवाह वस्तुतः बचपन, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता का एक साथ हनन है। कम उम्र में विवाह होने से लड़कियों की पढ़ाई छूटने, कम उम्र में गर्भधारण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं, घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता का जोखिम बढ़ सकता है। इससे उनका व्यक्तित्व विकास बाधित होता है और निर्णय लेने की क्षमता सीमित रह जाती है। गरीबी, दहेज की चिंता, असुरक्षा, सामाजिक प्रतिष्ठा की गलत धारणाएं और पितृसत्तात्मक मानसिकता इस कुप्रथा को बनाए रखने में भूमिका निभाती हैं। कई परिवार आर्थिक कठिनाइयों से छुटकारा पाने अथवा लड़की की सुरक्षा सुनिश्चित करने के नाम पर कम उम्र में विवाह को उचित ठहराते हैं जबकि वास्तविक समाधान उसे शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया में हर वर्ष 1.2 करोड़ से अधिक लड़कियों का विवाह 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले हो जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि बाल विवाह कोई सीमित क्षेत्र की सामाजिक समस्या नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बाल अधिकारों के सामने खड़ी गंभीर चुनौती है। यूनिसेफ के अनुसार, पिछले दशकों में बाल विवाह की व्यापकता घटाने में प्रगति हुई है लेकिन इसकी रफ्तार तेज करना जरूरी है। संघर्षग्रस्त क्षेत्रों, मानवीय संकटों और जलवायु आपदाओं से प्रभावित समुदायों में लड़कियों के सामने जोखिम और बढ़ जाते हैं। विस्थापन, गरीबी तथा शिक्षा और सुरक्षा सेवाओं की अनुपलब्धता उन्हें कम उम्र में विवाह के प्रति अधिक असुरक्षित बना सकती है। भारत में भी स्थिति संतोषजनक नहीं कही जा सकती। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार, 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग की 23.3 प्रतिशत महिलाओं का विवाह 18 वर्ष से पहले हो गया था। यह आंकड़ा पिछले सर्वेक्षण के 26.8 प्रतिशत से कम अवश्य है लेकिन अब भी लगभग हर चार में से एक महिला के बाल विवाह के अनुभव की ओर संकेत करता है। राज्यों और सामाजिक समूहों के बीच अंतर भी इस चुनौती को जटिल बनाता है। इसलिए राष्ट्रीय औसत में सुधार को समस्या का अंत मान लेना उचित नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों तक प्रभावी सहायता पहुंचाना अब भी आवश्यक है।

बाल विवाह के विरुद्ध भारत में कानूनी व्यवस्था मौजूद है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सामान्यतः लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के के लिए 21 वर्ष से कम आयु में विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है। कानून का उद्देश्य केवल विवाह रोकना नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। हालांकि, कानून की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि बाल विवाह की सूचना मिलने पर प्रशासन कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है, बाल संरक्षण तंत्र कितना सक्रिय है और पीड़ित बालिका को विवाह रुकने के बाद शिक्षा, परामर्श, सुरक्षा तथा आर्थिक सहायता कितनी उपलब्ध होती है। किसी विवाह को रोक देना महत्वपूर्ण है लेकिन लड़की को उसके बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन का अवसर देना उतना ही जरूरी है।

बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए भारत में कई महत्त्वपूर्ण पहलें की गई हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका के जन्म, शिक्षा और सामाजिक सम्मान को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने में भूमिका निभाई है। सुकन्या समृद्धि योजना परिवारों को बालिका के भविष्य के लिए बचत करने का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्तियां, विद्यालयों में शौचालय, किशोरियों के स्वास्थ्य कार्यक्रम और कौशल विकास की पहलें उनकी निरंतर पढ़ाई तथा आत्मनिर्भरता के लिए उपयोगी हैं। पश्चिम बंगाल की कन्याश्री जैसी योजनाओं ने बालिकाओं की शिक्षा जारी रखने और बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया है। किंतु योजनाओं की वास्तविक उपलब्धि घोषणाओं अथवा लाभार्थियों की संख्या से नहीं, इस बात से मापी जानी चाहिए कि कितनी लड़कियां विद्यालय में बनी रही, कितनों का विवाह कानूनी आयु से पहले नहीं हुआ और कितनों को अपनी पसंद का जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिली।

बालिका अधिकारों का प्रश्न शिक्षा और विवाह की आयु तक सीमित नहीं है। डिजिटल युग में इंटरनेट तक असमान पहुंच, ऑनलाइन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों की कमी भी लड़कियों की संभावनाओं को सीमित करती है। विद्यालयों में विज्ञान, तकनीक, गणित और उद्यमिता के अवसरों के साथ जीवन-कौशल, डिजिटल साक्षरता, आत्मरक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। किशोरियों को मासिक धर्म, प्रजनन स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य पर बिना संकोच बात करने का वातावरण मिलना चाहिए। परिवारों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा के नाम पर लड़कियों की आवाजाही, मित्रता और शिक्षा पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाना समाधान नहीं है। सुरक्षित वातावरण तैयार करना समाज और संस्थाओं की जिम्मेदारी है।

वैश्विक स्तर पर लैंगिक समानता की स्थिति भी बताती है कि अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। विश्व आर्थिक मंच की ह्यग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025ह्न में भारत 148 अर्थव्यवस्थाओं में 131वें स्थान पर रहा और उसका समग्र लैंगिक समानता स्कोर 64.4 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह सूचकांक बालिकाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष माप नहीं है लेकिन व्यापक लैंगिक असमानताओं की ओर संकेत करता है, जिनका प्रभाव लड़कियों के अवसरों और भविष्य पर पड़ सकता है। इसी प्रकार, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन और अंतर-संसदीय संघ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, 1 जनवरी 2025 तक विश्वभर में मंत्रिमंडल स्तर के पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 22.9 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा और प्रतिभा के बावजूद निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

बाल विवाह समाप्त करने के लिए सरकार, प्रशासन, विद्यालयों, पंचायतों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों और परिवारों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। प्रत्येक बालिका का विद्यालय में नामांकन ही नहीं, उसकी नियमित उपस्थिति और माध्यमिक शिक्षा पूरी करना भी सुनिश्चित किया जाए। बाल विवाह की आशंका वाले क्षेत्रों में स्थानीय निगरानी समितियां सक्रिय हों, शिकायत तंत्र सुलभ बने और पीड़ित लड़कियों को संरक्षण तथा पुनर्वास मिले। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को ऐसी सहायता दी जाए, जिससे बेटी की पढ़ाई आर्थिक बोझ न बने। योजनाओं के बजट, लाभार्थियों और परिणामों का सार्वजनिक मूल्यांकन हो तथा बालिकाओं को प्रभावित करने वाले निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। सबसे बढ़कर, लड़कों और पुरुषों को भी समानता के इस अभियान का सहभागी बनाना होगा क्योंकि भेदभावपूर्ण सामाजिक मान्यताओं में बदलाव सामूहिक प्रयास से ही संभव है। किसी लड़की का भविष्य उसकी जन्मतिथि, आर्थिक स्थिति या सामाजिक रूढ़ियों से निर्धारित नहीं होना चाहिए। उसे बचपन में खेलने, शिक्षा प्राप्त करने, प्रश्न पूछने, अपनी राय रखने और अपनी राह चुनने का अधिकार है। बाल विवाह की समाप्ति केवल एक कुप्रथा का अंत नहीं बल्कि समानता, गरिमा और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में निर्णायक कदम है। यदि हम बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नेतृत्व में आज निवेश करेंगे तो उसका लाभ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचेगा।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

ललित गर्ग

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बदले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है।

हिमालय केवल पर्वतों की एक श्रृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ह्यकैरी मी बैकह्न अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासह्न की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनह्न में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा को सीधे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षरण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती है।

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव नवरात्रि

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। नि:स्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्ज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।

नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

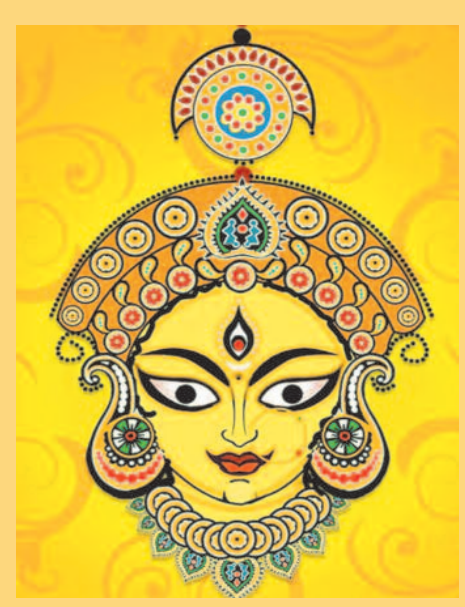

विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्पापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्रम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

पूनावाला फिनकॉर्प का लाभ पांच गुना होकर 375 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पूनावाला फिनकॉर्प का सितंबर तिमाही में मुनाफा पांच गुना होकर 375 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज आय में वृद्धि के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 74 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूनावाला फिनकॉर्प ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,625 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,543 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ब्याज आय भी जुलाई-सितंबर तिमाही में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 2,416 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,402 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक बढ़कर 74,008 करोड़ रुपये हो गईं।

केनरा एचएसबीसी लाइफ का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ रुपये रहा। बीमा कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 41 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि केनरा बैंक प्रवर्तित बीमा कंपनी की कुल आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 2,511 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,349 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 2,553 करोड़ रुपये का प्रीमियम जुटाया, जबकि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में यह 2,260 करोड़ रुपये था।

यूपी सरकार ने बढ़ाया धान खरीद का लक्ष्य, एमएसपी भी रिकॉर्ड स्तर पर

- अक्टूबर से शुरू होगी खरीद, 48 घंटे में भुगतान के निर्देश; ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन 2026-27 के लिए धान खरीद नीति को मंजूरी दे दी है, जिससे किसानों को इस बार अपनी उपज का अधिक दाम मिलेगा। सरकार ने न केवल समर्थन मूल्य (एमसएपी) में वृद्धि की है, बल्कि खरीद का लक्ष्य भी बढ़ाया है, जिससे अधिक किसानों को लाभ मिल सके। धान की फसल तैयार होने के साथ ही किसानों की नजरें अब सरकारी खरीद पर टिकी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस साल 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले सीजन के 62 लाख मीट्रिक टन से 3 लाख मीट्रिक टन अधिक है। इसके लिए प्रदेशभर में 4,500 खरीद केंद्र बनाए जाएंगे, जहां आठ सरकारी एजेंसियां धान की खरीद करेंगी। खरीद प्रक्रिया दो चरणों में चलेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 अक्टूबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक धान खरीदा जाएगा। समर्थन मूल्य की बात करें तो, सामान्य धान का एमएसपी 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले साल से 72 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। किसान खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट एफसीएसडाटअपडाटजीओवीडाटइन पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण और जमीन के कागजात आवश्यक होंगे।

यूबॉन ने किया नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड यूबॉन ने एक नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च किया है। कंपनी द्वारा यह डिवाइस खासतौर पर रोड ट्रिप और पारिवारिक यात्राओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूजिक और मनोरंजन को बेहतर बनाता है। इसकी सबसे खास बात इसमें मिलने वाले दो वायरलेस माइक्रोफोन हैं, जो कार के एफएम सिस्टम के साथ मिलकर उपयोगकर्ताओं को कार के अंदर ही कराओके का अनुभव देते हैं। यह डिवाइस किसी भी स्मार्टफोन या अन्य संगत डिवाइस से वायरलेस तरीके से कनेक्ट हो सकता है, जिससे म्यूजिक को कार के एफएम ऑडियो सिस्टम पर सुना जा सकता है। कराओके के अनुभव को और मजेदार बनाने के लिए, यूबॉन ने इसमें 6 अलग-अलग वॉयस इफेक्ट्स दिए हैं, जिनकी मदद से उपयोगकर्ता अपनी आवाज में विभिन्न तरह के प्रभाव जोड़ सकते हैं।

भारतीय शेयर बाजार अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन, कॉरपोरेट आय 17 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद - रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार इस साल डॉलर में 15.6 प्रतिशत गिरने के बाद भी अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। साथ ही, अगले वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय में 17 प्रतिशत तक की बढ़त हो सकती है। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस वुड द्वारा तैयार की गई %एशिया मैक्सिमा% रिपोर्ट में एमएससीआई एसी एशिया पैसिफिक (जापान को छोड़कर) इंडेक्स में 10.5 प्रतिशत के वेटेज के मुकाबले भारत के लिए 12 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश की गई थी।

स्थानीय मुद्रा में निफ्टी 13.4 प्रतिशत नीचे है और इंडोनेशिया (जिसमें 42.3 प्रतिशत की गिरावट आई है) के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला मार्केट है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की संरचनात्मक विकास की कहानी बरकरार है और डेटा भी मजबूत बना हुआ है।

वुड का मानना है कि वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय वृद्धि दर 14 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में यह 17 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सितंबर के मध्य तक बैंक क्रेडिट में साल-दर-साल 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, अगस्त में कॉर्पोरेट लोन 21.6 प्रतिशत बढ़े,

छोटे, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए लोन में 25.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और जमा राशि में 17.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, कॉर्पोरेट लोन में बढ़ोतरी से संकेत मिलता है कि निजी क्षेत्र का लंबे समय से प्रतीक्षित पूंजीगत व्यय चक्र आखिरकार शुरू हो सकता है।

इसके अलावा, अगस्त में समाप्त 12 महीनों में मशीनरी का आयात कुल 66 अरब डॉलर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2021 में यह 29 अरब डॉलर था।

वुड ने यह भी बताया कि 2025 की शुरुआत से 10.7 प्रतिशत की गिरावट के बाद भारतीय रुपया शायद अपने निचले स्तर पर पहुंच गया है।

बीते सप्ताह सोने में हल्की तेजी, चांदी में गिरावट रही

सोना 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपए, चांदी में 3048 की गिरावट

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई, हालांकि यह 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे बना हुआ है। वहीं चांदी के दाम में गिरावट देखने को मिली। वैश्विक अस्थिरता, बढ़ती ब्याज दरें और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसे कारक सोने के बाजार पर दबाव बनाए हुए हैं। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव बीते सप्ताह 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपये पर पहुंच गया है। इसके बावजूद यह 1.50 लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बना हुआ है। दूसरी ओर चांदी के दाम में 3048 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है और यह शुक्रवार को 221109 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। अमेरिकी फेड रिजर्व और आरबीआई द्वारा हाल ही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में लगातार तेजी और भू-राजनीतिक अस्थिरता ने सोने पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोने की बजाय बॉन्ड बाजार का रुख कर रहे हैं, जिससे कीमती धातु करेक्शन के दौर से गुजर रही है। हालांकि, कुछ सकारात्मक संकेत भी हैं। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहा है, और भारत सहित दुनिया भर में ईटीएफ की मांग में तेजी देखी जा रही है। अमेरिकी वित्तीय चिंताएं भी सोने को समर्थन दे सकती हैं।

उपग्रह ब्रॉडबैंड- भारत में एकाधिकार नहीं, तीन कंपनियों को लाइसेंस जारी- सिंधिया

- संचार मंत्री ने मस्क के आरोपों को खारिज किया, स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण पर ट्राई से चर्चा जारी

नई दिल्ली ।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपग्रह ब्रॉडबैंड (सैटकॉम) सेवाओं के लाइसेंसिंग विवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बताया कि रिलायंस जियो, वनवेब और एलन मस्क की स्टारलिंक सहित सभी तीन प्रमुख कंपनियों को लाइसेंस दिए जा चुके हैं। सिंधिया का यह बयान ऐसे समय आया है जब एलन मस्क ने भारत में स्टारलिंक की सेवाओं को बाधित करने के ताकतवर कारोबारियों पर आरोप लगाए थे। सरकार ने इन आरोपों को निराधार बताया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एमेजॉन कुइपर जैसी अन्य इच्छुक कंपनियों को भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा, क्योंकि भारत की दूरसंचार और उपग्रह सेवाओं की मंजूरी व्यवस्था निष्पक्ष और भेदभाव रहित है। सरकार उपग्रह स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के साथ चर्चा कर रही है। संचार मंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी कंपनियों को सेवाएं शुरू करने से पहले सुरक्षा संबंधी शर्तों को पूरा करना होगा, जिसकी जांच और मंजूरी गृह मंत्रालय द्वारा की जाएगी। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं को विविध सेवाएं मिलें और वे अपनी पसंद का सेवा प्रदाता चुन सकें।

सेंसेक्स-निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की तेजी रही

आठ हफ्तों की गिरावट से राहत, फिर बिकवाली और शुक्रवार को जोरदार वापसी

मुंबई ।

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। निवेशकों को सप्ताह की शुरुआत में जहां कुछ राहत मिली, वहीं मध्य सप्ताह में अचानक आई तेज बिकवाली ने बाजार को झकझोर दिया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन जोरदार वापसी के साथ बाजार ने सकारात्मक नोट पर समापन किया, जिससे पिछली कुछ हानियों की भरपाई हुई। राहत भरी तेजी सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए आशावादी रही। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद निवेशकों को राहत मिली। सोमवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर कारोबार करते दिखे, जहां सेंसेक्स 355.14 अंक बढ़कर 72,264.84 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 101.00 अंक की बढ़त के साथ 22,522.95 पर बंद हुआ। यह तेजी मंगलवार को भी जारी रही। बैंकिंग और कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 685.34 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 73,067.81 पर और निफ्टी 220.35 अंक उछलकर 22,776.10 पर पहुंच गया। इस शुरुआती उछाल से निवेशकों में सकारात्मक धारणा बनी। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बाजार की धारणा तेजी से बदली। बुधवार को दो दिन की राहत रैली पर विराम लग गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंका, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बिकवाली को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 429.11 अंक गिरकर 72,638.70 पर और निफ्टी 173.05 अंक टूटकर 22,603.05 पर समाप्त हुआ। गुरुवार को स्थिति और बिगड़ गई, जब बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई, जो सप्ताह की सबसे

बड़ी गिरावट साबित हुई। सेंसेक्स 1,045.46 अंक से अधिक लुढ़ककर 71,593.24 पर और निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 पर बंद हुआ। इस एक दिन की भारी गिरावट से निवेशकों को लगभग 11.37 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। दो दिन की लगातार गिरावट के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को बड़ी राहत दी। आईटी शेयरों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 879.09 अंक की जोरदार उछाल के साथ 72,472.33 पर और निफ्टी 288.65 अंक बढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ। इस मजबूत वापसी ने सप्ताह के मध्य में हुई अधिकांश हानियों की भरपाई कर दी और बाजार ने सकारात्मक नोट पर सप्ताह का समापन किया।

एयरटेल मनी लंदन शेयर बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

अफ्रीका के डिजिटल वित्तीय सेवा मंच एयरटेल मनी ने लंदन शेयर बाजार (एलएसई) में सफलतापूर्वक कारोबार की शुरुआत की है, जो कई वर्षों का सबसे बड़ा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन गया है। इस सूचीबद्धता को भारती समूह के ब्रिटेन में दीर्घकालिक निवेश के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल ने एयरटेल मनी की सफल सूचीबद्धता का स्वागत करते हुए कहा कि यह ब्रिटेन पर वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है, जहां स्थिर कारोबारी और नीतिगत माहौल है। उन्होंने 2019 में एयरटेल अफ्रीका की लिस्टिंग का हवाला देते हुए कहा कि इन्हीं परिस्थितियों के कारण लंदन इस नई लिस्टिंग के लिए स्वाभाविक विकल्प बना। एयरटेल मनी ने 1.96 पाउंड प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, शुरुआती कारोबार में शेयर 2.00 पाउंड तक पहुंचा, लेकिन बाद में 1.94 पाउंड पर

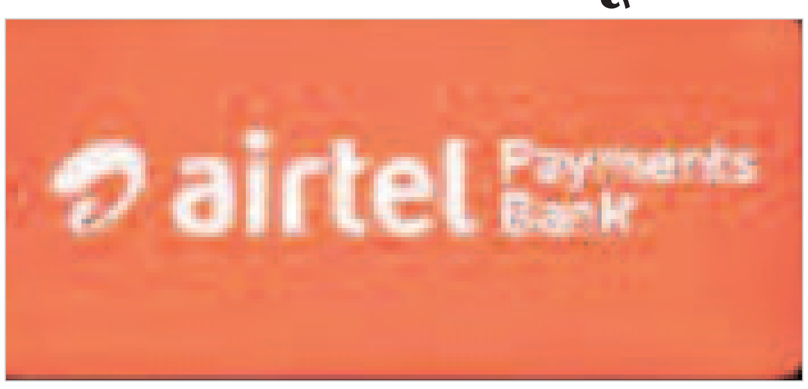

बंद हुआ, जो निर्गम मूल्य से थोड़ा कम है। इस कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर (5.3 अरब पाउंड) आंका गया, जो पहले के 8-9 अरब डॉलर के मूल्यांकन अनुमान से कम है। फिलहाल, शेयर में सशर्त कारोबार हो रहा है, और नियमित कारोबार 14 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा। भारती एयरटेल की एयरटेल मनी में अप्रत्यक्ष आर्थिक हिस्सेदारी लगभग 61.6 प्रतिशत है।

मोबाइल कंपनियों के समान हों सैटकॉम स्पेक्ट्रम के नियम- एयरटेल

नई दिल्ली ।

भारती एयरटेल ने उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों द्वारा मोबाइल फोन पर सीधे सिग्नल भेजने वाली डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन पर सवाल उठाया है। कंपनी ने मांग की है कि यदि उपग्रह कंपनियां उसी स्पेक्ट्रम का उपयोग करती हैं, जिसका उपयोग मोबाइल सेवा प्रदाता करते हैं, तो उन पर दूरसंचार कंपनियों के समान नियम लागू होने चाहिए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में एयरटेल के कॉरपोरेट मामलों के निदेशक राहुल वत्स ने जोर देकर कहा कि स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण, लाइसेंस की शर्तों और सुरक्षा सहित सभी नियम समान होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां दूरसंचार कंपनियों को मोबाइल सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम नीलामी के जरिए मिलता है, वहीं सैटकॉम कंपनियों को प्रशासनिक प्रक्रिया से आवंटित किया जाता है। हाल ही में, एलन मस्क की स्टारलिंक ने भी अंतरिक्ष से मोबाइल सेवाएं देने के लिए 800 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम हासिल किया है। वत्स ने स्पष्ट किया कि डी2डी सेवाओं में मोबाइल फोन पर इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का उपयोग होता है, इसलिए ऐसे स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी से ही होना चाहिए।

आम्रपाली धोखाधड़ी- ईडी ने दिल्ली में 54 करोड़ का आलीशान मकान किया कुर्क

घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में हुई कार्रवाई

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम्रपाली समूह और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन की चल रही जांच के तहत दिल्ली के पॉश महारानी बाग इलाके में 54.71 करोड़ रूपए मूल्य का एक मकान अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

एजेंसी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े बड़े मामले का हिस्सा है। यह मामला धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया है और उत्तर प्रदेश व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज 18 प्राथमिकियों से जुड़ा है। आरोप है कि आम्रपाली समूह ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई आवासीय परियोजनाएं शुरू कर घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी रकम जुटाई। समूह ने 36 महीने के भीतर फ्लैट देने या सुनिश्चित रिटर्न का वादा किया था, लेकिन परियोजनाओं को पूरा नहीं किया गया और न तो खरीदारों को फ्लैट का कब्जा मिला और न ही उनकी रकम वापस की गई। ईडी की जांच और फॉरेंसिक ऑडिट से पता चला कि घर खरीदारों से जुटाई गई 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को मुखौटा कंपनियों और समूह की अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित किया गया। इस रकम का एक हिस्सा समूह के प्रबंध निदेशक और उनके परिवार के सदस्यों के माध्यम से दिल्ली की सुरभी एडवरटाइजिंग को ऋण के रूप में भेजा गया था, जिसका उपयोग महारानी बाग स्थित कुर्क की गई संपत्ति के अधिग्रहण में किया गया। एजेंसी ने इस संपत्ति को अपराध से अर्जित आय के रूप में चिह्नित किया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई की है। आम्रपाली समूह की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

श्रीराम फाइनेंस ने बढ़ाई एफडी पर ब्याज दरें

11 अक्टूबर से लागू होंगी नई दरें

नई दिल्ली ।

वित्तीय सुरक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता है। इसी क्रम में श्रीराम फाइनेंस ने अपने एफडी निवेशकों को खुशखबरी देते हुए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कई निवेशक सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्पों की तलाश में हैं। श्रीराम फाइनेंस द्वारा बढ़ाई गई नई एफडी ब्याज दरें आगामी 11 अक्टूबर से लागू होंगी। कंपनी ने 10 करोड़ रुपये तक की जमा राशि पर विभिन्न अवधियों की एफडी पर ब्याज दरों में 0.15 फीसदी से 0.40 फीसदी तक की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद 36 से 60 महीने की एफडी पर अब सालाना 7.85 फीसदी ब्याज मिलेगा, जो पहले 7.5 फीसदी था। वहीं 15 महीने की डिजिटल एफडी पर ब्याज दर 7.1 फीसदी से बढ़कर 7.5 फीसदी कर दी गई है।

यह बदलाव निवेशकों को अपनी बचत पर अधिक रिटर्न कमाने का अवसर देगा। कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष या उससे अधिक) के लिए सामान्य दर से 0.50 फीसदी (50 बेसिस पॉइंट) अधिक ब्याज का लाभ जारी रखा है।

पीएफ निकासी पर टीडीएस छूट के लिए अब फॉर्म 121

टैक्स ईयर 2026-27 से प्रभावी होगा यह नियम

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ निकासी पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) छूट से जुड़े नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब टैक्स ईयर 2026-27 से टीडीएस कटौती से बचने के लिए फॉर्म 15जी और फॉर्म 15एच की जगह एक नया फॉर्म 121 इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम कर्मचारियों के लिए टीडीएस छूट का दावा करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। अभी तक पीएफ निकासी पर टीडीएस से बचने के लिए कर्मचारी फॉर्म 15जी (60 से कम उम्र) या 15एच (वरिष्ठ नागरिक) जमा करते थे, जिसमें वे घोषणा करते थे कि उनकी अनुमानित वार्षिक आय पर कोई कर देनदारी नहीं बनती। लेकिन आयकर अधिनियम 2025 के नए नियमों के तहत, 1 अप्रैल 2026 से लागू टैक्स ईयर 2026-27 से, अब फॉर्म 121 का उपयोग होगा। ध्यान रहे, फॉर्म 121 भरने से पीएफ की रकम स्वतः कर-मुक्त नहीं होगी।

यह केवल उन पात्र कर्मचारियों को टीडीएस कटौती न करने का अनुरोध करने की सुविधा देगा, जिनकी अनुमानित कुल आय पर उस वित्त वर्ष में कोई कर देनदारी नहीं बनती। वैध पेन अनिवार्य है, और एनआरआई व कर देनदारी वाले व्यक्ति इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। ईपीएफओ ने क्षेत्रीय कार्यालयों को फॉर्म 121 के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर जारी करने, साथ ही ऑनलाइन जमा और ई-साइन की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी और आवेदन की स्थिति ट्रैक करना आसान होगा।

बिहार का मखाना वैश्विक पटल पर, निर्यात 30 हजार टन करने का लक्ष्य

'मखाना से समृद्धि अभियान' के तहत अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा मिथिला मखाना

पटना ।

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने घोषणा की कि राज्य का मखाना अब 20 से अधिक देशों में पहुंच चुका है। सरकार ने वित्त वर्ष 2030-31 तक मखाना का निर्यात बढ़ाकर 30,000 टन करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष पहचान दिलाने के लिए एपीडा के सहयोग से मखाना से समृद्धि अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। कृषि विभाग के अनुसार देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80 से 85 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से अधिक देशों को 7,200 टन से अधिक मखाना का निर्यात कर 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय अर्जित की थी। अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। हाल ही में, जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप अमेरिका,

कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस भेजी गई। पहली बार बियाडा के बिहटा औद्योगिक क्षेत्र से 18 टन मिथिला मखाना समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया रवाना किया गया। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए 'मखाना से समृद्धि अभियान' शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य मखाना की खेती का रकबा वित्त वर्ष 2025-26 के 41 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2030-31 तक 82 हजार हेक्टेयर करना, उत्पादन में वृद्धि करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिहार की उपस्थिति को मजबूत करना है। मंत्री सिन्हा ने जोर दिया कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने, जीआई टैग के माध्यम से पहचान बनाने और किसानों की बाजार तक पहुंच में सुधार से उनकी आय में वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे।

होप के कायल हुए पीटरसन

आईपीएल नीलामी को लेकर दी सलाह, जमकर की सराहना

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के बनाए 249 रन के जवाब में 252 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान शाई होप ने 45 गेंद पर नाबाद 102 रन की पारी खेल इस जीत में अहम और यादगार भूमिका निभाई। टी20 में वेस्टइंडीज का यह सबसे बड़ा रन चेज था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने होप की विस्फोटक शतकीय पारी की जमकर तारीफ की और कहा कि अब उन्हें आईपीएल नीलामी में शामिल होना चाहिए।

केविन पीटरसन ने होप के लिए ये लिखा...

पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'अगर शाई होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।' होप के 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। वेस्टइंडीज के कप्तान होप अपनी पारी में आक्रामक होने के साथ ही काफी नियंत्रित दिखे। उन्हें शेरफेन रदरफोर्ड का बहुत अच्छा साथ मिला। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन बनाए और होप के साथ 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। होप के प्रदर्शन ने टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से अपने खेल को ढालने की उनकी काबिलियत की याद दिलाई। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, लेकिन कप्तान ने आखिरी समय में कमान संभालने से पहले यह पक्का किया कि टीम सही रास्ते पर रहे। भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे, जिसमें संजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 और तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन बनाए थे। ईशान ने भी 43 रन की पारी खेली थी।

होनी है आईपीएल की नीलामी

आईपीएल के अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी भारत में होगी। पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन देश से बाहर हो रहा था, लेकिन अब ये भारत में ही होगी। पिछले तीन संस्करणों की नीलामी दुबई, जेद्दा (मेगा नीलामी) और आबू धाबी में आयोजित की गई थी।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: मयंक यादव को लेकर गावस्कर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन के फैसले पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बजाय कुलदीप यादव को महत्वपूर्ण 17वां ओवर सौंपकर बड़ी गलती की। कुलदीप ने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे 250 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। वेस्टइंडीज ने यह मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

मयंक को लेकर ये बोले सुनील गावस्कर....

गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर (18वें ओवर) में खूब रन लुटाए, लेकिन मयंक ने शुरुआती झटके दिए थे। मयंक का इकॉनोमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर था और उस समय वेस्टइंडीज को इससे अधिक रन चाहिए थे। इसलिए अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। गावस्कर का मानना था कि उस महत्वपूर्ण मोड़ पर मयंक का एक और विकेट वेस्टइंडीज पर भारी दबाव डाल सकता था और उसके लिए मुश्किल पैदा कर सकता था। उन्होंने कहा, जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है। एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था। इसके अलावा मुझे लगता है कि नौवें ओवर में शिवम दुबे को गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला नहीं था। तब बल्लेबाज लय हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और इसलिए तब कुलदीप को लाना शायद बेहतर विकल्प होता।वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज सफलतापूर्वक हासिल किया। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे बड़ा रन चेज दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था, जब टीम ने 259 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। टी20 क्रिकेट में यह महज सातवां मौका है, जब किसी मुकाबले में 250 या उससे ज्यादा का रन चेज सफलतापूर्वक किया गया है।

गंभीर ने श्रेयस से पहले शिवम को भेजने का बचाव किया

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबले में श्रेयस अय्यर से पहले शिवम दुबे को भेजा गया। इस फैसले के लिए गौतम गंभीर को आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच के बाद भारतीय कोच ने दुबे को अय्यर से पहले भेजने के फैसले का बचाव किया। भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए चौथे नंबर पर आए थे। उन्हें बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह भेजा गया था। दुबे जब बल्लेबाजी के लिए आए तो स्कोर 11.1 ओवर में 139 रन था। दुबे उम्मीद के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर सके और 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। इसका असर टीम के कुल स्कोर पर भी पड़ा। दुबे की जगह अगर श्रेयस अय्यर को भेजा गया होता, तो शायद परिणाम कुछ और होता। पहले मैच में शतक लगाने वाले अय्यर ने बाद में आकर 18 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। गौतम गंभीर ने कहा, हमने शिवम को लंबे समय तक ऐसे ही इस्तेमाल किया है, विश्व कप में भी और उससे पहले भी। यह सिर्फ एक बार नहीं हुआ। इस मैच में हमने मोमेंटम खो दिया था। यह इंटरनेशनल क्रिकेट है, कभी-कभी यह आपके हिसाब से होता है, कभी-कभी नहीं। सबसे जरूरी बात हम हमेशा अपनी बैटिंग लाइन-अप के साथ लचीले रहे हैं और हम इसे जारी रखेंगे।

रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। '

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ??है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमें शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। '

भारत दौरे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाज विल ओ'रूर्के

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ'रूर्के बाईं हैमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रूर्के को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं।

वरुण एरोन बोले -गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

नई दिल्ली । रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया।

यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी ।शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी हिस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों - जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम - में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमें मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं ।जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

एनरिक नॉर्टजे ने कहा-मेरा समय और हालात सही नहीं रहे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर

(4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइन्फो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थीं। '
टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुई।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।' नॉर्टजे ने कहा कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पसंद है, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है।

बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

मेलबर्न । मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं ।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली -4035

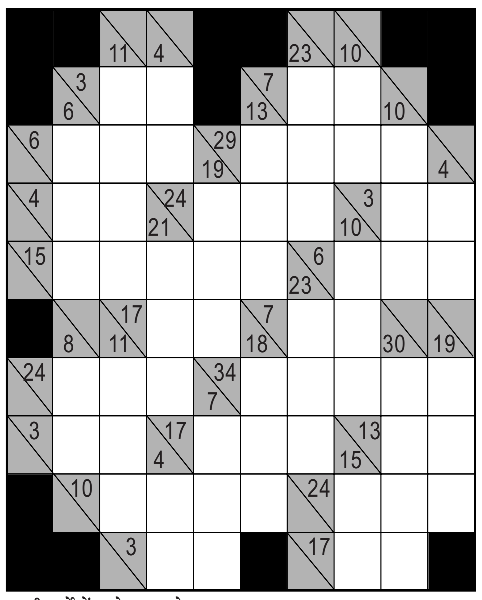

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

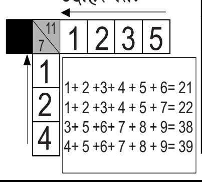

काकुरो - 4034 का हल

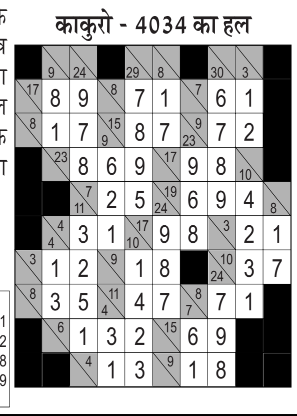

लॉफिंग ज़ोन

मॉडर्न पत्नी की शराब की लत से परेशान एक पति उसे समझाने के इरादे से बोला- मान लो एक ड्रम में शराब और दूसरे में पानी भरकर रख दिया जाए और फिर किसी गधे को बुलाकर उससे पीने को कहा जाए तो वह दोनों में से क्या पिएगा?

पत्नी ने कहा- वह पानी ही पिएगा।

पति ने उलझाने की कोशिश करते हुए कहा- मगर वह पानी ही क्यों पीना चाहेगा?

□ □ □

पत्नी- तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लिनिक में तुम्हें नौकरी मिल गई है। फिर तुम बाहर खड़े क्या कर रहे हो?

पति- यहाँ बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना, यही तो मेरी नौकरी है।

□ □ □

रमन- हर छात्र के लिए आज की तारीख में इंटरनेट कई मायनों में उपयोगी और महत्वपूर्ण है!

नमन- जैसे?

रमन- ...जैसे हमें कई जानकारियाँ इंटरनेट के माध्यम से मिल जाती है।

नमन- और आजकल तो लीक होने के बाद पेपर भी ई-मेल पर आ जाते हैं।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 4035

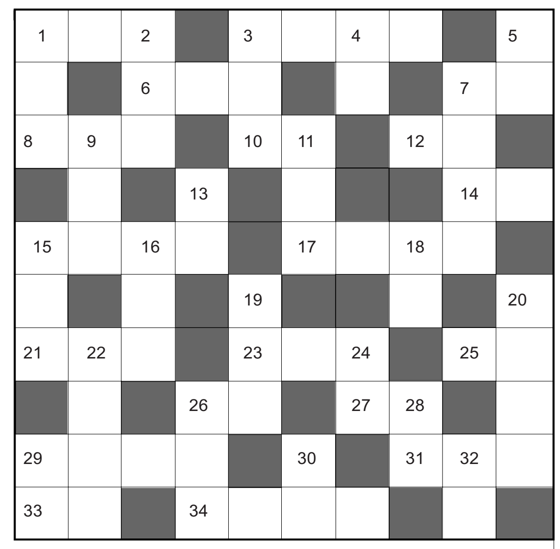

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4034

सूडोकु -4035

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4034 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 4035

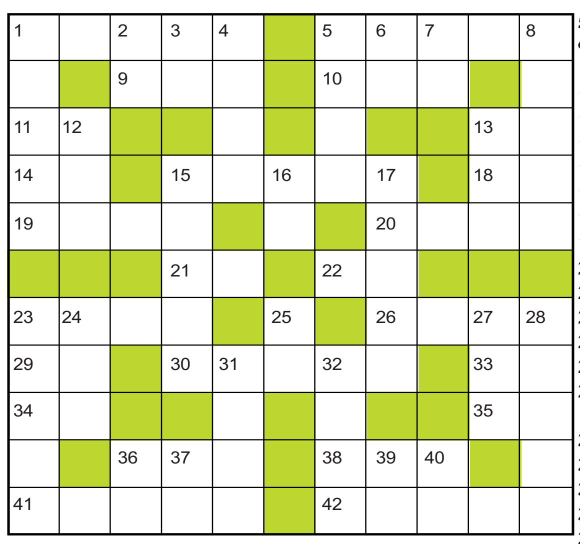

बाएँ से दाएँ

1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. ठसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -4034 का हल

कुछ आसान से घरेलू तरीके हैं जिनके जरिए मोटापे के साथ साथ बढ़ता वजन भी कंट्रोल किया जा सकता है

डायबिटीज और जोड़ों के दर्द के अलावा आजकल लोग जिस चीज से सबसे ज्यादा परेशान हैं वो है मोटापा और बढ़ता हुआ वजन। इसे कम करने के लिए लोग ना जाने किन किन तकनीकों का सहारा लेते हैं। खाना खाना बंद कर देते हैं, जिम जाते हैं, डायटिंग करते हैं, बावजूद इसके लोगों को बढ़ता वजन और मोटापा कम ही नहीं होता।

वजन घटने के उपाय

टमाटरः टमाटर सिर्फ एक सब्जी ही नहीं है बल्कि इसमें वजन घटाने वाली खूबियां भी मौजूद हैं। दरअसल टमाटर में Anti-o&idents और mineralsहोते हैं जो वजन घटाने में मदद करते हैं। टमाटर खाने से आपके शरीर का metabolism भी सही रहता है और यही metabolism शरीर के फैट यानि चर्बी को जलाने में मदद करता है जिसकी वजह से वजन और चर्बी दोनों कम हो जाती हैं। एक रिसर्च के मुताबिक, हरी मिर्च या काली मिर्च के जरिए भी वजन घटाया जा सकता है। मिर्च में कैप्साइसिन नाम का एक तत्व होता है जो आपकी भूख कम कर देता है। जब भूख कम लगेगी तो जाहिर है खाना भी कम खाया जाएगा और इस तरह वजन कम होगा।

शहदः रोजाना सुबह 1 गिलास पानी में एक या दो चम्मच शहद और नींबू का रस मिलाकर पीएं। ऐसा करने से ना सिर्फ वसा की मात्रा कम होगी बल्कि वजन भी घटेगा।

सेब और गाजरः सेब और गाजर को बराबर-बराबर लें और उन्हें कद्दूकस कर या फिर पीसकर एक साथ मिला लें। इस मिश्रण को रोजाना सुबह खाएं। ऐसा रोजाना करें, 1-2 महीनों में ही असर दिखेगा। ध्यान रहे कि सेब और गाजर के इस मिश्रण को खाने के 2 घंटे बाद तक कुछ ना खाएं।

मूलीः मूली के चूर्ण को शहद के साथ मिलाकर खाने से भी मोटापा कम होता है और वजन घटता है।

लाल मिर्च की चाय

सुनने में बड़ा अजीब लगेगा लेकिन कहा जाता है कि लाल मिर्च की चाय का रोजाना सेवन करने से चर्बी कम होती है और वजन भी घटता है। दरअसल लाल मिर्च वजन घटाने में काफी कारगर है।

कैसे बनाए लाल मिर्च की चाय

एक गिलास पानी में एक चम्मच लाल मिर्च का पाउडर मिलाकर उसकी चाय बनाएं और उसमें थोड़ा सा नींबू मिला लें। इसका रोजाना सेवन करें, असर दिखेगा।

लहसुनः रोज सुबह उठकर खाली पेट लहसुन की दो कलियां चबाने और फिर उसके बाद एक गिलास नींबू पानी पीएं। ऐसा करने से वजन तेजी से घटेगा और चंद दिनों में ही असर दिखने लगेगा।

ग्रीन टीः वजन कम करने के लिए ग्रीन टी को भी काफी उपयोगी माना गया है। रोजाना सुबह उठकर खाली पेट ग्रीन टी का सेवन करें। काफी फायदा होगा। ग्रीन टी में श्वत्र्ष्टत्र नाम का एक तत्व होता है जो फैट को बर्न करने में मदद करता है। इसके अलावा एक्स्ट्रा फैट जमा होने नहीं देता। इस लिहाज से देखा जाए तो मोटापा भी नहीं बढ़ता।

करी पत्ताः रोजाना सुबह कुछ करी पत्तियां खाने से भी वजन कम करने और मोटापा घटाने में मदद मिलेगी। दरअसल करी पत्ते में मोटापा कम करने और चर्बी घटाने वाले तत्व होते हैं इसलिए करी पत्ता खाने से वजन घटाने में काफी मदद मिलती है।

सौंफः सौंफ को अच्छी तरह से सुखाकर पीस लें और उसे एक एयर टाइट डिब्बे में स्टोर कर लें। अब रोजाना इस सौंफ पाउडर के दो चम्मच पानी के साथ लें। ऐसा रोजाना करें। इससे ना सिर्फ कब्ज और अपच जैसी शिकायतें दूर होंगी बल्कि वजन भी कम होगा।

ध्यान रहे

- जब भूख लगी हो तो प्रॉपर खाना खाएं। कहने का मतलब यह है कि खाने का विकल्प ना ढूंढें। जंक फूड और तली-भुनी चीजों से दूरी बनाएं। इससे वजन कम होगा।
- जो भी खा रहे हैं उसे पचाना और बर्न करना बहुत जरूरी है वरना यह चर्बी के रूप में हमारे शरीर में जमा हो जाएगा जो आगे जाकर मोटापे का रूप ले लेगा। इसलिए नियमित रूप से एक्सरसाइज करें और अपना लाइफस्टाइल सुधारें।
- हेल्दी खाएं, ज्यादा वसा वाली चीजों से दूरी बनाएं।
- डिलिवरी के बाद अक्सर महिलाओं का वजन बढ़ जाता है और कई महिलाएं चाहकर भी इसे कंट्रोल नहीं कर पातीं। कुछ टिप्स हैं जिनके जरिए डिलिवरी के बाद बढ़े वजन को कम किया जा सकता है -
- रोजाना सुबह गुनगुने पानी के साथ शहद लें। इससे महिलाओं को फिर से अपने पुराने आकार में आने में मदद मिलेगी।
- दूध का जब भी सेवन करें तो बिना चीनी के करें। कोशिश रहे कि दूध बिना मलाई का हो। इससे भी वजन कम होगा।
- खाने में काली मिर्च, नींबू, पुदीना जैसी चीजें खाएं। पपीता भी खा सकती हैं। इन चीजों में विटामिन सी की मात्रा होती है जो चर्बी को बर्न करने में मदद करती है और इससे वजन भी कम हो जाता है।
- कोशिश करें कि कच्चा सलाद और कच्ची सब्जियां ज्यादा से ज्यादा खाएं। इसका फायदा ये होगा कि जरूरी पोषक तत्व तो मिलेंगे ही साथ ही इससे पेट ज्यादा वक्त तक भरा रहेगा। इसकी वजह से आप खाना कम खाएंगे और वजन कंट्रोल में रहेगा।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर — खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

स्टारडम की अब कोई तय परिभाषा नहीं, मेरी कहानियां जमीन से जुड़ीं

एक फिल्म की कहानी हमेशा एक्टर से बड़ी होती है। यह कहना है ऐक्टर आयुष्मान खुराना का। उन्होंने कहा, 'मेरा शुरू से ही विश्वास रहा है कि फिल्म की असली सुपरस्टार उसकी कहानी होती है। हालांकि, पिछले करीब 20 फिल्मों में मैंने हर तरह की फिल्में की हैं। कुछ बिल्कुल अलग तरह की, तो कुछ पारंपरिक बॉलिवुड टाइप की भी, लेकिन अब मैं फिर से अपनी जड़ों यानी ऑथेंटिसिटी की ओर लौट रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम दर्शकों के सामने प्रामाणिक और सच्चा विषय लेकर आएं, तो वह खुद ब खुद लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। मेरी अगली फिल्म 'उड़ता तीर' भी कुछ ऐसी ही है।

ऐसा अक्सर कहा जाता है कि आज के ऐक्टर्स की स्टारडम पहले के स्टार्स जैसी नहीं रही, जो दर्शकों को थिएटर में खींच सके। उस दौर में दर्शक उन्हें देखने के लिए तरसते थे। थिएटर बिजनेस के लिहाज से आज के समय में स्टारडम के मायने पूछने पर आयुष्मान ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम कई अलग-अलग यूनिवर्स में रह रहे हैं। आज मनोरंजन की कई अलग-अलग दुनिया है और हर दुनिया के अपने स्टार हैं। इनमें इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी शामिल हैं। कुछ स्टार ऐसे हैं, जो बहुत बड़े हैं, लेकिन

हो सकता है कि आप उनके बारे में जानते तक न हों।' उन्होंने आगे कहा, 'वहीं, कुछ लोगों की पूरी दुनिया उन्हें जानती है। इसलिए स्टारडम की आज कोई तय परिभाषा नहीं है। मसलन, कोई स्टार ऐसा हो सकता है, जो मीडिया से ज्यादा बात नहीं करता, लोगों से मिलना-जुलना पसंद नहीं करता या उस तक पहुंचना आसान न हो। वहीं कुछ लोग ऐसे हैं, जो लोगों ऑडियंस से बातचीत करना और उनसे जुड़ना पसंद करते हैं। मेरे लिए दूसरा तरीका ज्यादा मुफीद है, क्योंकि मैं रेडियो से आया हूं। टीवी प्रेजेंटर रहा हूं। इसलिए लोगों से बात करना मेरे लिए जरूरी है। मेरी कहानियां जमीन से जुड़ी होती हैं और उन्हें जीवंत बनाए रखने के लिए मुझे जमीनी स्तर के लोगों से बातचीत करते रहना जरूरी लगता है। इससे मेरे अंदर का कलाकार भी जिंदा रहता है। मेरे हिसाब से स्टारडम अब कोई एक्सक्लूसिव क्लब नहीं रह गया है। आज स्टारडम की कई परिभाषाएं हैं और यह हर इंसान के और हर दुनिया के लिए अलग हो सकता है।'

क्या बनेगी 'अंधाधुन 2'

यहां आयुष्मान ने श्रीराम राघवन से 'अंधाधुन 2' बनाने को लेकर भी सवाल किया, जिस पर उन्होंने कहा कि वो तब बनेगी जब सही स्क्रिप्ट मिलेगी, ताकि पिछली वाली को मिले प्यार का मजा किरकिरा न कर दे।

घिसी-पिटी कहानियों का दौर खत्म: श्रीराम राघवन

यहां दर्शकों की सिनेमा से दूरी और स्टारडम के मामले पर एक हसीना थी, बदलापुर, अंधाधुन जैसी शानदार फिल्में बना चुके फिल्मकार श्रीराम राघवन ने कहा, 'जैसे डेंजिल डियास ने कहा कि 'ओडिसी' और 'ऑब्सेशन', जो दोनों बिल्कुल अलग स्तर की फिल्में हैं, लेकिन दोनों को बड़े दर्शक मिले। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि फिल्म का चलना सिर्फ उसके स्केल से तय होता है, बल्कि यह दर्शकों के साथ उसके कनेक्शन से होता है। फिल्म देखते हुए जब पूरा हॉल एक साथ हंसता है, एक साथ प्रतिक्रिया देता है, तो वह अनुभव अलग होता है। हमने यह अनुभव पहले भी किया है। जब मैंने आयुष्मान के साथ 'अंधाधुन' बनाई थी। फिल्म रिलीज के करीब छह महीने बाद चीन में शानदार चली। जबकि, वह पहले ही रिलीज हो चुकी थी, लेकिन अचानक लोगों ने उसे पसंद करना शुरू कर दिया। कुछ फिल्मों में कुछ ऐसा अनोखा होता है, जो दर्शकों को अपनी ओर खींचता है और फिल्म बनाते समय हम भी वही अनोखी चीज देने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि अब घिसी-पिटी और रूटीन कहानियों का दौर खत्म हो रहा है। स्टार सिस्टम भी पहले जैसा नहीं रहा।'

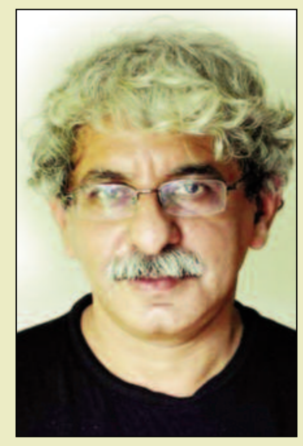

कीर्ति सुरेश की कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को होगी रिलीज

डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन की लीड रोल वाली इस फिल्म को अब दुनियाभर के सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म के मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे बैनर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ''अब और खामोशी नहीं। सावित्री की लड़ाई शुरू होती है।'' तमिल और तेलुगु में भी यही पोस्ट शेयर किया गया। मेकर्स ने बताया कि 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म की रिलीज पहले 24 जुलाई को तय की गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने रिलीज डेट टाल दी।

फिल्म के मेकर्स ने इसी साल मई में इसका फर्स्ट और सेकंड लुक भी जारी किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में कीर्ति सुरेश पीछे मुड़कर देखती नजर आती थीं, जबकि उनके आसपास कई वकील आगे की तरफ देख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था, ''शांत चेहरा, लेकिन रुकने वाली ताकत नहीं। अब खेल उसी का है।''

फिल्म की कहानी को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सत्यवान सावित्री' दो वकीलों की कहानी है, जिनके किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन निभा रहे हैं। मिश्किन फिल्म में कीर्ति के सीनियर एडवोकेट के रोल में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी में एक केस के दौरान दोनों के बीच टकराव देखने को मिलेगा। बताया जा रहा है कि जब कीर्ति के बॉस एक मामले में गलत काम करने वालों का साथ देने का फैसला करते हैं, तो वह उन्हें समझाने की कोशिश करती हैं। लेकिन इसी दौरान उन्हें अपने बॉस का एक अलग ही चेहरा देखने को मिलता है। यह केस कीर्ति की जिंदगी को पूरी तरह बदल देता है।

सैयामी खेर ने खोले इंडस्ट्री के कड़वे राज

एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद किया और बताया कि फिल्मों में जगह बनाने की कोशिश के दौरान उन्हें किस तरह की चुनौतियों और बिना मांगी सलाह का सामना करना पड़ा। सैयामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह नासिक की एक शांत लड़की थीं, जिसे फिल्मों की दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें जज कर लिया था।

सैयामी खेर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ''जब मैं पहली बार फिल्म के सेट पर पहुंची थी, तब मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। बीते 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। उस समय मैं नासिक से आई एक इंट्रोवर्ट लड़की थी, जो फिल्मों की दुनिया से अनजान थी। इसके बावजूद मुझे शुरुआत में ही यह मानकर रिजेक्ट कर दिया गया कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं।'' सैयामी ने कहा, ''मुझे यहां तक कहा गया कि मैं 'गांव की लड़की' जैसी लगती हूं और मुझमें एक्ट्रेस बनने की काबिलियत नहीं है। इतना ही नहीं, मुझे इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए ऐसी सलाह भी दी गई, जिसे सुनना मेरे लिए आसान नहीं था। कुछ लोगों ने सलाह दी कि किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट कर लो, क्योंकि इंडस्ट्री में एंट्री का यह आसान रास्ता है। इसके अलावा मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी कराने और लिप जॉब करवाने की सलाह तक दी गई।'' सैयामी ने आगे कहा, ''मेरी परवरिश और माता-पिता से मिले आत्मविश्वास ने मुझे ऐसी बातों से टूटने नहीं दिया। कई बार मुझे इस तरह की बातें सुनकर गुस्सा आने के बजाय हंसी आ जाती थी। मेरे सामने ऐसे कई लोग आए, जिनके पास मुझे देने के लिए मुफ्त की सलाह थी, जबकि दूसरी तरफ मुझे लगभग हर दिन रिजेक्शन का सामना करना पड़ता था। मेरे करियर में बड़ा मोड़ तब आया, जब एक दिन मुझे अदूर मुखर्जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। मेरे लिए यह मौका बाकी मौकों से अलग था।'' सैयामी ने बताया, ''मैंने दिलीप शंकर और आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। ये तीन महीने मेरी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। इस दौरान मुझे खुद बने रहने, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी रखने और खुद पर भरोसा करने की सीख मिली। इसके करीब छह महीने बाद मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज्या' के लिए फाइनल कर लिया गया।''

राधिका सरथकुमार की 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को होगी रिलीज

निर्देशक नानी की आगामी एक्शन-एंटरटेनर फिल्म 'डिलीवरी बॉय' के निर्माताओं ने घोषणा की कि अभिनेता लियो शिवकुमार, ब्रिगिडा और राधिका सरथकुमार अभिनीत यह फिल्म 23 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लोकप्रिय म्यूजिक लेबल सारेगामा तमिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म का रिलीज डेट पोस्टर साझा किया। पोस्ट में लिखा गया, 'प्यार, संगीत और भावनाओं से भरपूर बड़े पर्दे के अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' गौरतलब है कि फिल्म की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में पूरी हो गई थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, चेन्नई और कोयंबटूर में पूरी तरह फिल्माई गई इस फिल्म की शूटिंग केवल 42 दिनों में पूरी कर ली गई थी। निर्माण कंपनी असासी क्रिएशंस के प्रचारकों ने उस समय एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, ''डिलीवरी बॉय' की शूटिंग पूरी हो गई है। जल्द ही सिनेमाघरों में आ रही है।

मेरे अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के प्रभावों को निजी जिंदगी पर हावी नहीं होने देती हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि उनके अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है। अभिनेत्री ने बताया, ''कट' शब्द सुनते ही मैं बिल्कुल नॉर्मल हो जाती हूं। सच कहूं, तो मैं एक सेकंड के लिए भी किसी इमोशन को अपने साथ लेकर नहीं चलती हूं। हालांकि, इस पर लोग मेरा मजाक भी बनाते हैं कि अभी तक मैं रो रही थी, चीख रही थी और जैसे ही 'कट' बोला गया, मैं नॉर्मल हो गई, हंसने लगी। कई बार ऐसा हुआ है कि लोग मुझे मेरी ही नकल करके दिखाते और पूछते हैं कि 'तुम ये कैसे कर लेती हो?' मुझे नहीं पता, क्योंकि मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती।' अभिनेत्री का कहना है कि वे एक्टिंग करने के दौरान अपने किरदार में इतनी लीन हो जाती हैं कि वह उसी तरह एक्ट करती हैं और जैसे ही कट होता है, वह नॉर्मल हो जाती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग के दौरान भले ही मैं कितना भी महसूस करूं, लेकिन मेरे आंसू असली होते हैं, इमोशन और फिजिकल मेहनत असली होती है और जैसे ही 'कट' बोला जाता है, मैं सोचती हूं 'ओह, कट हो गया। अब मेरा कोई काम नहीं है'। तो मैं सच में स्विच ऑफ हो जाती हूं। भगवान का शुक्र है कि ऐसा है, क्योंकि मैं बहुत थक जाती। आजकल मैं कई भारी-भरकम किरदार निभा रही हूं।

अगर उन किरदारों का हैंगओवर मुझ पर रहता, तो मैं एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर भी थक जाती और मैं यह एक काम सिर्फ इसलिए नहीं कर सकती क्योंकि मैं किसी फिल्म या शो में कोई रोल कर रही हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस इमोशन को अपने पूरे दिन नहीं रख सकती और सारा समय बर्बाद नहीं कर सकती। उस सेट के बाहर भी मेरी एक जिंदगी है और मुझे उसे भी जीना है।

साइको-हॉरर में जैकी श्रॉफ को मिलेगा शरद केलकर का साथ

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जल्द ही रूरल हॉरर फिल्म 'काली खेती' में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री नेहा सरगम अहम भूमिका में होंगी।

मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें एक राक्षस ने अपने हाथ में लालटेन पकड़ी है। पोस्टर काफी डार्क और डरावना लग रहा है। पोस्ट के बैकग्राउंड में जो म्यूजिक है वह भी काफी रोमांचक लग रहा है। पोस्टर के ऊपर लिखा है 'सिनेमाघरों में 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।' पोस्टर को शेयर करते हुए जैकी श्रॉफ ने कैप्शन में लिखा, 'रोशनी बुझने न देना, खेती जागने वाली है।'

फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इम्तियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। अक्तूबर में कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें 'दृश्यम 3', आयुष्मान की 'उड़ता तीर', रश्मिका-विजय की 'रणबाली', यामी की 'नई नवेली' और 'पहला प्यार दूसरी बार' शामिल हैं। 'काली खेती' का टकराव 'पहला प्यार दूसरी बार' से होने वाला है। यह फिल्म भी 23 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।

अमेरिकी सांसदों की चेतावनी : 6जी और सैटेलाइट नियमों में चीन से पिछड़ सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के दो सीनेटरों ने चेतावनी दी है कि अगर ट्रंप प्रशासन ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो चीन वैश्विक 6जी और सैटेलाइट संचार से जुड़े नियम तय करने में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगले साल होने वाले एक अहम अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सम्मेलन के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख की जल्द नियुक्ति जरूरी है। एरिजोना से डेमोक्रेटिक सीनेटर रूबेन गैलेगो और इंडियाना से रिपब्लिकन सीनेटर जिम बैंक्स ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो से अपील की है कि 30 नवंबर से पहले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को नियुक्त किया जाए। 30 नवंबर से बोगोटा (कोलंबिया) में क्षेत्रीय वार्ताएं शुरू होने वाली हैं।

इस सप्ताह जारी एक द्विदलीय पत्र में दोनों सीनेटरों ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूआरसी-27) अगली पीढ़ी के वायरलेस नेटवर्क और सैटेलाइट संचार में इस्तेमाल होने वाले रेडियो स्पेक्ट्रम से जुड़े अहम अंतरराष्ट्रीय नियम तय करेगा। यह सम्मेलन अक्टूबर और नवंबर 2027 में चीन के शंघाई शहर में आयोजित होगा, जिसमें अमेरिका समेत 194 सदस्य देश हिस्सा लेंगे।

सीनेटरों ने कहा कि मेजबान देश होने के नाते चीन बातचीत को अपनी घरेलू तकनीकी कंपनियों, खासकर हुआवेई, के पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने पत्र में लिखा, 'मेजबान होने के कारण चीन को घरेलू मैदान का फायदा मिलेगा और वह स्पेक्ट्रम तथा तकनीकी मानकों को ऐसी दिशा में ले जाने की कोशिश कर सकता है, जिससे चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उससे जुड़ी कंपनियों, जैसे हुआवेई, के हितों को लाभ पहुंचे। दोनों सांसदों का कहना है कि सम्मेलन से काफी पहले अमेरिका को अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर रणनीति और बातचीत की साझा तैयारी करनी होगी। उन्होंने कहा, 'मजबूत अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और समान सोच वाले सहयोगियों के साथ पहले से किया गया समन्वय, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे का सबसे प्रभावी जवाब होगा।'

29 सितंबर को लिखे गए इस पत्र में प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति को तत्काल प्राथमिकता बताया गया है। गैलेगो और बैंक्स ने 2023 के वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस की तैयारियों के दौरान आई समस्याओं को दोहराने के खिलाफ चेतावनी दी। उस समय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख को आखिरी समय में बदल दिया गया था। सीनेटरों के अनुसार, पूर्व प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने बताया था कि इस बदलाव के कारण अमेरिका का काफी समय बर्बाद हुआ, जो क्षेत्रीय सहयोग और साझेदारियां बनाने में काम आ सकता था। उन्होंने लिखा, 'हम डब्ल्यूआरसी-27 में ऐसी ही परिस्थितियों के साथ प्रवेश करने का जोखिम नहीं उठा सकते। सांसदों ने कहा कि 6जी से जुड़े फैसले खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि अगली पीढ़ी की वायरलेस तकनीक के मानक अभी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि हुआवेई के समर्थन वाले प्रस्ताव इन मानकों को प्रभावित कर सकते हैं, इससे पहले कि अमेरिका और उसके साझेदार कोई साझा विकल्प तैयार कर पाएं। सीनेटरों ने गैर-भूस्थिर सैटेलाइट नेटवर्क के तेजी से विस्तार का भी जिक्र किया। उनका कहना है कि इससे रेडियो स्पेक्ट्रम के अंतरराष्ट्रीय समन्वय की अहमियत और बढ़ गई है। हालांकि उन्होंने प्रशासन द्वारा अब तक उठाए गए कुछ कदमों की सराहना भी की। नेशनल टेलीकम्युनिकेशंस एंड इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (एनटीआईए) और फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन पहले ही इंटर-अमेरिकन टेलीकम्युनिकेशन कमीशन (सीआईटीईएल) को अमेरिकी प्रस्ताव सौंप चुके हैं। अमेरिका अपनी बाकी रणनीतिक स्थितियां 30 नवंबर से बोगोटा में शुरू होने वाली सीआईटीईएल की स्थायी परामर्श समिति-II की अगली बैठक में पेश करने की योजना बना रहा है। गैलेगो और बैंक्स ने मांग की कि उस बैठक से पहले प्रतिनिधिमंडल प्रमुख की नियुक्ति कर दी जाए, ताकि दोनों अमेरिका के आधिकारिक रुख को तैयार करने की प्रक्रिया में हिस्सा ले सकें। उन्होंने जानकारी मांगी कि अमेरिका अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर भरोसेमंद दूरसंचार आपूर्ति श्रृंखलाएं (टेलीकॉम सप्लाई चेन) कैसे विकसित करेगा। पत्र में खास तौर पर कहा गया है कि ग्लोबल साउथ के देशों के लिए हुआवेई और अन्य चीनी कंपनियों के विकल्प उपलब्ध कराए जाने चाहिए। दोनों सीनेटरों ने 23 अक्टूबर तक लिखित जवाब या ब्रीफिंग और 2027 की वसंत ऋतु तक चीन के प्रभाव का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति पर एक ब्रीफिंग की भी मांग की है। वर्ल्ड रेडियोकम्युनिकेशन कॉन्फ्रेंस का आयोजन अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ करता है, जो संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है। यह संस्था वैश्विक दूरसंचार समन्वय का काम करती है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब ने फिर से किया मिलिट्री पैक्ट, यमन के हूतियों का करेंगे मुकाबला

इस्लामाबाद , एजेंसी। यमन के हूतियों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान, तुर्की और सऊदी अरब ने एक समझौता किया है. समझौता पांच अक्टूबर 2026 को किया गया. इसके तहत वे खाड़ी देश में तेजी से सेना तैनात करने पर सहमत हुए हैं. वैसे इन तीनों देशों के बीच आपसी समझौता पहले ही हो चुका है. सात अगस्त, 2026 को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट (संयुक्त रक्षा समझौते) पर हस्ताक्षर किए गए थे. यह क्षेत्रीय और वैश्विक जियोपॉलिटिकल समीकरणों में एक बहुत ही अहम घटना है.पश्चिम और दक्षिण एशिया में एक न्यूक्लियर पावर, एक नाटो सदस्य और तेल से मालामाल खाड़ी देश एक साथ आए हैं, और वह भी नाटो-स्टाइल की इस शर्त के साथ कि समझौते में शामिल किसी भी देश पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा. यह सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए सिक्योरिटी पैक्ट (सुरक्षा समझौते) का ही एक बढ़ा हुआ और अनोखा रूप है.इसमें पाकिस्तान शामिल है, जो एक न्यूक्लियर पावर है और डेटरेंस (हमले को रोकने की क्षमता) दे सकता है. तुर्की मिलिट्री इक्विपमेंट और टेक्नोलॉजी दे सकता है, और सऊदी अरब, जिसके पास बहुत पैसा है, इस सिक्योरिटी आर्किटेक्चर (सुरक्षा ढांचे) को फंड कर सकता है. आइए पहले यह देखते हैं कि सऊदी और पाकिस्तान के बीच डिफेंस पैक्ट कितना पुराना है.

1951: दोनों देशों के बीच दोस्ती की एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने आपसी सहयोग की नींव रखी.

1967: पाकिस्तान की सेना द्वारा केएसए (सऊदी अरब) की सेना को ट्रेनिंग देने के लिए 'म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)' नाम के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए. 'म्यूचुअल कोऑपरेशन प्रोग्राम (1967)' नाम के पुराने समझौते में बदलाव किया गया, जिसमें केएसए की सेना को ट्रेनिंग देने से जुड़ी शर्तों का दायरा बढ़ाया गया.

1979: 1979 में मक्का की घेराबंदी के दौरान पाकिस्तान ने सऊदी स्पेशल फोर्सेज की मदद की और घेराबंदी के ठीक बाद पवित्र स्थलों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सऊदी अरब में और सैनिक (लगभग 15,000 सैनिक) भेजे.

1979: सऊदी अरब में पाकिस्तानी सेना की टुकड़ी को तैनात करने के लिए एक प्रोटोकॉल समझौते (1979) पर हस्ताक्षर किए गए. केएसए को हथियारों के उत्पादन और सप्लाई के लिए डिफेंस से जुड़े साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में व्यापक सहयोग के लिए प्रोटोकॉल समझौते (1979) में भी बदलाव किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मैक्सिको की जेल में भीषण दंगा : 10 लोगों की मौत, 16 घायल; ड्रग कार्टेल के गढ़ सिनालोआ में भड़की हिंसा

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको के कुख्यात और हिंसा प्रभावित राज्य सिनालोआ की एक जेल में गुरुवार को कैदियों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। इस भीषण दंगे में कम से कम 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, मारे गए 10 लोगों में नौ जेल के कैदी थे, जबकि एक व्यक्ति जेल में बंद किसी कैदी से मुलाकात करने आया हुआ परिजन/मुलाकाती था। नेशनल गार्ड ने संभाला मोर्चा हिंसा और झड़प की सूचना मिलते ही सुरक्षा बलों और नेशनल गार्ड की टुकड़ियों को तुरंत जेल परिसर में तैनात किया गया। सुरक्षा बलों के कड़े हस्तक्षेप के बाद अब हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं। हालांकि, जेल प्रशासन और स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दंगे की मुख्य वजह क्या थी और संघर्ष किन गुटों के बीच शुरू हुआ। उल्लेखनीय है कि सिनालोआ राज्य को मैक्सिको के सबसे हिंसक और खतरनाक इलाकों में गिना जाता है। यह इलाका दुनिया के सबसे कुख्यात 'सिनालोआ ड्रग कार्टेल' का मुख्य गढ़ माना जाता है, जहां अक्सर विभिन्न आपराधिक गिरोहों के बीच वर्चस्व की जंग और हिंसक झड़पें देखने को मिलती रहती हैं।

अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय पायलट स्मित को सम्मानित किया जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के कांग्रेसनल रिकॉर्ड में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने फ्लाईदुबई की उड़ान में एक साथी पायलट के कुल्हाड़ी से हमले के बाद 172 यात्रियों और चालक दल को बचाया था।भारतीय-अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। शुक्रवार को कांग्रेसनल रिकॉर्ड में बयान दर्ज होगा। यह घटना 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई उड़ान 1073 में हुई। कृष्णमूर्ति के बयान के अनुसार, विमान 30 सेकंड में करीब 16,000 फीट नीचे आ गया। गंभीर चोटों के बावजूद, कैप्टन मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। इससे यात्री और चालक दल हमलावर को काबू कर सके। विमान में सवार दो आरक्षित फ्लाईदुबई पायलटों ने नियंत्रण संभालकर उसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा। उड़ान में 4 अमेरिकी नागरिक और 27 बच्चों सहित 172 यात्री थे। कृष्णमूर्ति ने कैप्टन की त्वरित सोच और दृढ़ता की प्रशंसा की।

भारत के साथ जल बंटवारा विवाद वार्ता से ही सुलझेगा : बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के विदेश राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा है कि भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे जल बंटवारे के मुद्दों को केवल बातचीत और कूटनीति के जरिये ही सुलझाया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में प्रगति तभी संभव है जब दोनों देशों का शीर्ष नेतृत्व सहयोग की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए। कबीर ने बृहस्पतिवार को यहां एक सेमिनार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि साझा नदियों और गंगा जल बंटवारा संधि के भविष्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच चर्चा जारी है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे :मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर; 2024 में 65% ने विपक्ष को वोट दिया था

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65% भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रही अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी।

नेपाल: पोखरा के पास सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी स्कूल बस, हादसे में पांच लोगों की मौत

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में शुक्रवार सुबह एक स्कूल बस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी। बस सुबह करीब 6:20 बजे कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका के वार्ड नंबर 28 स्थित ओखलेको भीर इलाके में सड़क से फिसलकर नीचे जा गिरी। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, यह बस कालिका इंग्लिश बोर्डिंग स्कूल की है। कास्की जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख पुलिस अधीक्षक नवीन कार्की ने आईएएनएस को बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। जानकारी के अनुसार हादसे के समय बस में 17 छात्र, एक अन्य यात्री और चालक सवार थे। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। कास्की के मुख्य जिला अधिकारी कुमान सिंह गुरुंग ने बताया कि बस में ज्यादातर 10वीं कक्षा के छात्र थे। हादसे के समय वे ट्यूशन क्लास में जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। पिछले कुछ वर्षों में नेपाल में सड़क हादसों की संख्या बढ़ी है। इसके साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या में भी लगातार इजाफा हुआ है। करीब दस साल पहले नेपाल ट्रैफिक पुलिस ने 4,999 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की थीं।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में नेपाल में 7,669 सड़क हादसे हुए, जिनमें 1,900 लोगों की मौत हुई। कुल दुर्घटनाओं में से 278 को गंभीर श्रेणी में रखा गया था। सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं का दुष्प्रभाव केवल लोगों की जान खोने तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा बोझ पड़ता है।

विश्व बैंक के एक अध्ययन के अनुसार, नेपाल में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली चोटों की आर्थिक लागत 2007 के बाद से तीन गुना बढ़ चुकी है और यह देश की सकल राष्ट्रीय आय (जीएनपी) के 1.5 प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। सड़क हादसों का सबसे ज्यादा असर गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़ता है।

अमेरिका ने माइक्रोसॉफ्ट को ग्रीन कार्ड कार्यक्रम से निलंबित किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक सांसद प्रमिला जयपाल ने माइक्रोसॉफ्ट के लिए ग्रीन कार्ड का रास्ता रोकने के ट्रंप प्रशासन के फैसले की आलोचना की है. करते हुए कहा कि यह कानूनी इमिग्रेशन सिस्टम (आप्रवासन तंत्र) पर हमला करने जैसा है.

ट्रंप प्रशासन ने गुरुवार को माइक्रोसॉफ्ट, टाटा, इंफोसिस और विप्रो समेत आठ आईटी फर्मों को विदेशी वर्कर के लिए ग्रीन कार्ड अप्लाई करने के कार्यक्रम से सस्पेंड कर दिया. उनका कहना है कि इस कदम ने अमेरिकियों को जॉब मार्केट से बाहर कर दिया है. जयपाल माइक्रोसॉफ्ट के होमटाउन वाशिंगटन स्टेट से हैं. उन्होंने गुरुवार को कहा कि यह टेक बड़ी कंपनी बड़े इमिग्रेशन सुधारों की वकालत करने में अग्रिणी है.

जयपाल की बातों को माइक्रोसॉफ्ट के बचाव के तौर पर देखा गया, जिस पर उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने मजाक उड़ाया. उन्होंने

हैरानी जताई कि क्यासमाजवाद का मतलब मेगाकॉरपोरेशन के लिए कभी न खत्म होने वाला सस्ता मजदूर उपलब्ध कराना है. वेंस ने कहा, समाजवाद का मतलब साफ तौर पर यह पक्का करने के लिए जी-जान से लड़ना है कि मेगाकॉर्पोरेशन को सस्ते लेबर का कभी न खत्म होने वाला प्रवाह मिलता रहे. वेंस ने गुरुवार को निलंबन की घोषणा की और बड़ी टेक कंपनियों और आउटसोर्सिंग कंपनियों पर अमेरिकी वर्कर की कीमत पर वीजा सिस्टम का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया.

जयपाल ने कहा कि ट्रंप प्रशासन लगातार अप्रवासियों के लिए अमेरिका में अपना टैलेंट देने के कानूनी रास्ते छीनने की कोशिश कर रहा है. यह उन हमलों में से एक और है. बता दें कि माइक्रोसॉफ्ट का मुख्यालय वाशिंगटन राज्य के रेडमंड में है. जयपाल ने कहा, 'आप लीगल इमिग्रेशन पर हथौड़ा चलाकर टूटे हुए इमिग्रेशन सिस्टम को ठीक नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट बड़े इमिग्रेशन सुधारों की वकालत करने में लीडर रहा है, जो पुराने इमिग्रेशन सिस्टम को मॉडर्न बनाते हैं और दुनिया भर के इमिग्रेंट्स को यहां काम करने और अपने परिवारों के साथ रहने के लिए ज्यादा कम नहीं, कानूनी रास्ते देते हैं. जयपाल ने कहा कि परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम प्रोग्राम उन अनगिनत वर्कर के लिए रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की ओर पहला कदम है जो इस देश में योगदान देना चाहते हैं. यह एक साफ प्रक्रिया बताता है जिसमें यह पक्का करने के लिए कदम उठाए गए हैं कि इससे हमारी अर्थव्यवस्था को शुद्ध लाभ हो और अमेरिकी नौकरियों को नुकसान न हो.

जयपाल ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था, हमारे समुदाय और हमारे परिवार कई सेक्टर में अप्रवासियों पर निर्भर हैं, जिसमें टेक सेक्टर भी शामिल है. उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन के इस कदम से इस सिर्फ उन वर्कर का एक मजबूत, स्थिर और अलग-अलग तरह का बेस बनाने की कोशिशों को नुकसान पहुंचाते हैं जिनके पास अमेरिका में आने और रहने के लिए कानूनी रास्ते हैं. साथ ही अमेरिकी वर्कर को बेईमान नियोक्ता से भी बचाते हैं. उन्होंने कहा कि इस तरह से माइक्रोसॉफ्ट या परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम को टारगेट करने से कानूनी आव्रजन कमजोर होता है और अमेरिका की नया करने की क्षमता कमजोर होती है।

अमेरिका फोर्ट हुड नरसंहार के दोषी को मौत की सजा, होगा लाइव टेलीकास्ट

पेंटागन , एजेंसी। पेंटागन के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि दोषी मिलिट्री बेस शूटर निदाल हसन को फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी जाने वाली फांसी का लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. इससे पहले रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा था कि यह फांसी 'पब्लिक' में दी जाएगी. हसन अमेरिकी आर्मी के साइकेट्रिस्ट था.उसने 2009 में फोर्ट हूड में 13 लोगों को गोली मार दी थी. उसे 1961 के बाद अमेरिकी सेना द्वारा दी गई पहली फांसी होगी और दूसरे विश्व युद्ध के बाद फायरिंग स्क्वाड द्वारा दी गई पहली फांसी होगी. पेंटागन के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर एएफपी को बताया, 'इसे लाइवस्ट्रीम किया जाएगा. डिटेल्स बाद में दी जाएंगी' हेगसेथ ने गुरुवार को पेंटागन के ऑफिशियल अकाउंट्स से एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा था कि हसन

'सैनिकों की एक फायरिंग स्क्वाड लाने जा रहा है, जैसा कि होना चाहिए और हम यह पक्का करेंगे कि लोग इसे देख सकें, कि यह सार्वजनिक हो. हेगसेथ ने यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर पर राइट-विंग इन्फ्लुएंसर जैक पोसोबिएक से कहा, 'लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इस तरह की चीजों के गंभीर नतीजे होते हैं.' हेगसेथ ने कहा कि यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद मिलिट्री की पहली फायरिंग स्क्वाड फांसी होगी. यह एडी स्लोविक के मामले का जिक्र है, जिसे 1945 में भागने के लिए मौत की सजा दी गई थी. हेगसेथ ने कहा, 'मुझे दूसरे विश्व युद्ध की हमारी सोच कुछ-कुछ पसंद है, जो जीतने की थी, जो यह समझती थी कि जब दुश्मन आप पर हमला करे तो आपको अपनी जगह पर डटे रहना चाहिए.' एक अलग क्लिप में पोसोबिएक ने पेंटागन चीफ से पूछा कि क्या हसन ने कोई आखिरी रिक्वेस्ट की है. हेगसेथ ने कहा, 'कोई बात नहीं. हम उसे 3 दिसंबर को देखेंगे,' जिस दिन हसन को मौत की सजा मिलनी है. आखिरी अमेरिकी मिलिट्री फांसी 1961 में दी गई थी, जब जॉन बेनेट को रेप और हत्या की कोशिश के लिए फांसी दी गई थी.

अधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार 2025 में कम से कम 17 लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई है. छह अफगानिस्तान में और 11 ईरान में.डेथ पेनल्टी इन्फॉर्मेशन सेंटर का कहना है कि 1916 से अब तक अमेरिकी सेना ने 135 सैनिकों को फांसी दी है. पेंटागन ने इस हफ्ते की शुरुआत में बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अल-कायदा से प्रेरित हमला करने के लिए हसन को फांसी देने की मंजूरी दे दी है. उसने जिन 12 लोगों को मारा और 30 घायल हुए. वह एक सैनिक था।

नेपाल में बाढ़ से 1.66 अरब डॉलर का नुकसान, सबसे ज्यादा बुनियादी ढांचा प्रभावित : विश्व बैंक

काठमांडू , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से भौतिक संपत्तियों को करीब 1.66 अरब अमेरिकी डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस कुल नुकसान का 83 प्रतिशत हिस्सा बुनियादी ढांचे से जुड़ा है। भौतिक नुकसान को लेकर विश्व बैंक का अनुमान नेपाल सरकार की प्रारंभिक 'रैपिड डैमेज एंड नीड्स असेसमेंट' (आरडीएनए) रिपोर्ट के आंकड़ों से काफी मिलता-जुलता है। सरकार ने अपने शुरुआती आकलन में नुकसान करीब 1.81 अरब अमेरिकी डॉलर बताया था। आरडीएनए के अनुसार, भौतिक संपत्तियों के नुकसान के अलावा करीब 883.32 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त नुकसान भी हुआ। इस तरह आपदा का कुल प्रभाव लगभग 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। इस सप्ताह जारी 'नेपाल डेवलपमेंट अपडेट' में शामिल विश्व बैंक के 'ग्लोबल रैपिड पोस्ट-डिजास्टर डैमेज एस्टिमेशन' (जीआरएडीई) के अनुसार, सबसे ज्यादा 1.38 अरब डॉलर (83 प्रतिशत) का नुकसान बुनियादी ढांचे को हुआ। इसके बाद आवासीय भवनों को 185 मिलियन डॉलर (11 प्रतिशत) और गैर-आवासीय भवनों को 101 मिलियन डॉलर (6 प्रतिशत) का नुकसान हुआ। भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों में आई बाढ़ से जलविद्युत परियोजनाओं, सौर ऊर्जा सुविधाओं, बिजली ट्रांसमिशन नेटवर्क और परिवहन व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। ऊर्जा क्षेत्र, खासकर जलविद्युत परियोजनाएं, सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल रहीं। अगस्त 2026 की बाढ़ से 12 जलविद्युत परियोजनाएं और एक सौर ऊर्जा परियोजना प्रभावित हुईं। इनमें 281.1 मेगावाट की चालू क्षमता और 395.02 मेगावाट की निर्माणाधीन क्षमता शामिल थी। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों को हुए नुकसान के कारण 149.6 मेगावाट बिजली राष्ट्रीय ग्रिड तक नहीं पहुंच पाई। इस तरह कुल प्रभावित क्षमता लगभग 430.7 मेगावाट रही, जो वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक नेपाल की कुल स्थापित जलविद्युत और सौर ऊर्जा क्षमता का लगभग 10.6 प्रतिशत है। बाढ़ से 82 किलोमीटर लंबे रसुवा व्यापार गलियारे (ट्रेड कॉरिडोर) के 55 किलोमीटर से अधिक हिस्से को नुकसान हुआ, जबकि करीब 40 किलोमीटर सड़क पूरी तरह तबाह हो गई।

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर चिंता, अवामी लीग ने सरकार को घेरा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अवामी लीग ने गुरुवार को देशभर में रह रहे अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। पार्टी ने सवाल उठाया कि जब एक पूरे हिंदू परिवार की हत्या हो सकती है और डेढ़ महीने बाद भी मामले में स्पष्ट जवाब नहीं मिलते, तो अल्पसंख्यकों की जिंदगी की क्या कीमत रह जाती है। पार्टी ने कहा कि ऐसे भय और असुरक्षा के माहौल में लोगों से कहा जा रहा है कि दुर्गा पूजा मनाई जाएगी, जबकि बांग्लादेश के मंदिरों में सजावट तक नहीं हो रही है। अवामी लीग के अनुसार, बच्चों ने नए कपड़े तक नहीं खरीदे हैं। पार्टी ने एक बुजुर्ग महिला के हवाले से कहा, 'भगवान ही जानते हैं कि आगे क्या होने वाला है।' पार्टी ने कहा कि ऐसे माहौल में उत्सव की बात करना लोगों को भरोसा नहीं देता, बल्कि यह शर्म की बात है। अवामी लीग ने अगस्त में रंगपुर शहर में सेवानिवृत्त हिंदू शिक्षक गणपति चक्रवर्ती और उनके पूरे परिवार की हत्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पुलिस के अनुसार यह मामला अब तक लगभग सुलझ जाना चाहिए था। पार्टी ने कहा, 'लेकिन अब तक डीएनए जांच की रिपोर्ट नहीं आई है और घटनास्थल से जुटाए गए 35 अलग-अलग साक्ष्यों में से किसी की भी रिपोर्ट नहीं मिली है। वहीं, इलाके के लोग पुलिस की जांच

पर भरोसा नहीं जता रहे हैं। पीड़ित परिवार के रिश्तेदार भी इस बात को नहीं मानते कि केवल दो लोग परिवार के चार सदस्यों की एक-एक करके गला घोंटकर हत्या कर सकते थे। अवामी लीग ने सत्तारूढ़ बीएनपी सरकार और विपक्षी जमात-ए-इस्लामी को निशाने पर लेते हुए जांच की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि अगर मामला सुलझ गया है तो लोग अब भी डरे हुए क्यों हैं, और अगर मामला नहीं सुलझा है तो डेढ़ महीने बाद भी प्रयोगशाला की एक भी रिपोर्ट क्यों नहीं आई।

पार्टी ने कहा कि जिस घर में हत्याएं हुई थीं वहां अब पुलिस तैनात है और वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति के बिना किसी को अंदर जाने की इजाजत नहीं है। इसके बावजूद जिला प्रशासन का कहना है कि सभी जरूरी सुरक्षा उपाय किए जा चुके हैं। अवामी लीग के मुताबिक, एक स्थानीय हिंदू गृहिणी ने कहा कि उन्हें प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा भरोसा नहीं है। वहीं, एक स्थानीय निवासी ने कहा कि शुरुआत में इलाके में पुलिस और मीडिया की लगातार मौजूदगी थी, लेकिन अब सब चुप हो गए हैं और यही खामोशी सबसे बड़े सवाल खड़े करती है। पिछले सप्ताह अवामी लीग ने दावा किया था कि पिछले छह महीनों में अल्पसंख्यक समुदाय के 44 लोगों की मौत, मंदिरों और घरों पर हमले, सैकड़ों कथित मानवाधिकार उल्लंघन और रंगपुर में हिंदू परिवार के चार सदस्यों की हत्या जैसी घटनाओं ने अल्पसंख्यकों के बीच भय को और बढ़ा दिया है।

पार्टी ने कहा, 'प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नई सरकार के लिए समानता के वादों की असली परीक्षा यह है कि कमजोर और संवेदनशील नागरिकों के साथ जमीन पर क्या हो रहा है। बांग्लादेश के धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक 2026 में भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंताओं के साथ प्रवेश कर चुके हैं। सरकार बदलने से उनकी आशंकाएं खत्म नहीं हुई हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)